@haryanavatika www.haryanavatika.in @haryanavatika @haryanavatika

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

हरियाणा वाटिका

लोहारू से प्रकाशित सोच बिल्कुल निष्पक्ष

RNI No-HARHIN/2019/79021 वर्ष : 06, अंक: 128 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 1.00 शनिवार, 08 मार्च 2025 haryanavatika@gmail.com +91-9255149495

प्रेरणास्त्रोत: स्व. डॉ. एलसी वालिया

अनुशासन देश को महान बनाता है- बंडारू दत्तात्रेय

73वें आल इंडिया पुलिस वॉलीबॉल क्लस्टर का राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने किया शुभारंभ, युवा भी लें पुलिस जवानों से प्रेरणा - राज्यपाल

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा है कि पुलिस के जवानों में अनुशासन की भावना कूट-कूट कर भरी हुई है। युवाओं को भी इनसे प्रेरणा लेकर अनुशासन, शिष्टाचार और नैतिक मूल्यों को जीवन में उतारना चाहिये। अनुशासन ही देश को महान बनाता है। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय हरियाणा पुलिस अकादमी, मधुबन में 73वें आल इंडिया पुलिस वालीबॉल कलस्टर के शुभारंभ के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने

प्रतिभागी खिलाड़ियों का अभिनंदन और आयोजन के लिए अधिकारियों को बधाई देते हुये कहा कि उच्च मनोबल व दृढ़ निश्चय से सभी कठिनाइयों को सामना किया जा सकता है। सफलता के लिए जीवन में धैर्य और अनुशासन जरूरी है। खेलों में भी ये जीत की पूंजी हैं। उन्होंने कहा कि खेल आपसी समझ को बढ़ावा देते हैं। इनसे सहयोग की प्रेरणा मिलती है। जीत के लिए जरूरी है कि खिलाड़ी निजी यश के लिये न खेले। खेलों से टीम व सहयोग की भावना से काम करने की शिक्षा मिलती है।

खेल सुनहरे भविष्य और उज्जवल कैरियर की गारंटी

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिये शिक्षा के साथ-साथ खेल भी जरूरी हैं। आज खेल सुनहरे भविष्य और उज्ज्वल कैरियर की गारंटी बन गये है।

भारत के खिलाड़ी खेलों के क्षेत्र में विश्व में परचम लहरा रहे हैं।

हरियाणा ने भी खेलों में विश्वस्तर पर नाम कमाया है। यह प्रदेश की सर्वश्रेष्ठ खेल नीति का परिणाम है। प्रदेश खेलों का हब बन चुका है। बेटियां भी हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। दत्तात्रेय ने कहा कि खेल व पुलिस एक-दूसरे के पूरक बन गये हैं। पुलिस बलों ने देश को अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिये हैं। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में पुरूष वर्ग में 49 टीमों से कुल 791 खिलाड़ी और महिला वर्ग में 28 टीमों से कुल 297 खिलाड़ी भाग ले रही हैं। इनमें अर्ध सैनिक बलों की टीमें भी शामिल हैं। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में कई दशक पहले हरियाणा पुलिस में खेलों की शुरूआत की गई थी। यह गर्व की बात है कि 11 प्रतिभाशाली खिलाडियों को माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा 17 जनवरी को सम्मानित किया गया है।

हरियाणा में तीनों आपराधिक कानून 31 मार्च तक लागू हो जाएंगे

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शुक्रवार को विधानसभा में अभिभाषण में कहा कि राज्य में 31 मार्च तक तीन नये आपराधिक कानूनों को लागू कर दिया जाएगा। इस दिशा में पुलिस तथा गृह विभाग ने अपना काम पूरा कर लिया है। कई विभागों ने नए कानूनों के अनुसार काम करना शुरू भी कर दिया है। विधानसभा में बजट सत्र के पहले दिन अभिभाषण के दौरान सरकार के प्रदेश के विकास और जनकल्याण को लेकर राज्यपाल ने कहा कि वर्ष 2024 के दौरान राज्य में कुल एक लाख 11 हजार 397 आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। यह पिछले वर्ष यानी 2023 की तुलना में 16 हजार 216 कम हैं।

प्रदेश में इस साल के दौरान आपराधिक घटनाओं में 12.7 प्रतिशत की कमी आई है। राज्यपाल ने प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही डायल 112 सेवा पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि दिसंबर 2024 तक इसका औसत प्रतिक्रिया समय 16 मिनट 14 सेकेंड से कम होकर 6 मिनट 41 सेकेंड तक पहुंच गया है। वहीं, दूसरी तरफ हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन कांग्रेस विधायक बिना नेता प्रतिपक्ष के सदन में पहुंची। सत्ता पक्ष के सामने की बेंचों पर बैठे कांग्रेस विधायक अपने हाईकमान के विधायक दल का नेता घोषित नहीं करने से काफी मायूस दिखाई पड़े। कांग्रेस विधायकों को उम्मीद थी कि हाईकमान की ओर से बजट सत्र आरंभ होने से कुछ समय पहले तक विधायक दल के नेता की घोषणा की जा सकती है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। नतीजतन कांग्रेस विधायकों को बिना नेता के सदन की कार्यवाही में शामिल होना पड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा हालांकि कांग्रेस विधायकों के नेता की भूमिका में विधानसभा में नजर आए, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने अभी तक उनके नाम पर मुहर नहीं लगाई है।

ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल तहसील शाहाबाद व सब-तहसील बाबैन के प्रभावित किसानों के लिए 20 मार्च, 2025 तक खोला गया

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हाल ही में प्रदेश में हुई ओलावृष्टि व बेमौसमी बरसात के कारण फसलों के नुकसान की जानकारी को दर्ज करने के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने के निर्देश दिए थे जिसमें सम्बंधित जिलों के उपायुक्तों को किसानों की मदद करने व खराबे की जानकारी पोर्टल पर दर्ज करने के लिए कहा गया, ताकि शीघ्र ही उनकी फसलों के नुकसान की भरपाई जल्दी से जल्दी की जा सकें। सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए कहा कि जिला कुरूक्षेत्र में 97 गांव जिसमे तहसील शाहाबाद के सभी गांवों व सब-तहसील बाबैन के 7 गांवों में ओलावृष्टि व बारिश से फसलों को भारी नुकसान हुआ है। इस बारे ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने का आग्रह किया गया था। प्रदेश सरकार ने किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए फसलों में हुए नुकसान के लिए तहसील शाहाबाद के सभी गांवों व सब-तहसील बाबैन के 7 गांवों के प्रभावित किसानों के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल 20 मार्च, 2025 तक खोल दिया गया है।

इ

न क्षेत्रों के किसान जिनकी फसल ओलावृष्टि व बारिश से खराब हुई हैं वे शीघ्र खराब फसल की जानकारी पोर्टल पर दर्ज करवाऐं ताकि शीघ्र ही उनकी फसलों के नुकसान की भरपाई की जा सकें।

विधान सभा बनी नई परम्परा की गवाह

चंडीगढ़/हरियाणा वाटिका एजेंसी

हरियाणा विधान सभा के बजट सत्र का पहला दिन नई परंपरा का साक्षी बना। महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के बाद शोक प्रस्ताव पर विधायकों के साथ-साथ सदन में उपस्थित अधिकारी, पत्रकार और दर्शक भी अपने-अपने स्थानों पर खड़े हुए। विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि संसदीय प्रणाली में समय-समय पर सुधार व बदलाव होते रहे हैं। अभी तक की प्रथा अनुसार शोक प्रस्ताव पर 2 मिनट का मौन रखने के लिए सिर्फ माननीय सदस्य ही अपनी सीट पर खड़े होते हैं। सदन में शोक प्रस्ताव पुण्य-आत्मों की शान्ति तथा शोकाकुल परिवारों को सांत्वना तथा सहानुभूति प्रदान करने के लिए लाए जाते हैं।

इन पुण्य आत्माओं के सभी सम्बन्धियों में से किसी न किसी रूप में हम सभी का सम्बन्ध है। इसलिए ऐसे अवसर पर आज के बाद सदन में उपस्थित सभी सदस्य, मीडियाकर्मी व अधिकारियों सहित सभी दीघाओं में उपस्थित महानुभाव भी 2 मिनट के मौन के दौरान श्रद्धा सहानुभूति प्रकट करने के लिए खड़े हों तो अच्छा रहेगा। विस अध्यक्ष के इस आह्वान पर सदन में सदस्यों के साथ सभी मीडियाकर्मी व अधिकारियों सहित सभी दीघाओं में उपस्थित दर्शक भी खड़े हुए।

महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण की हॉर्डकॉपी सभी सदस्यों को उपलब्ध करवाई गई। सदन में बड़ी संख्या में सदस्य नए हैं। नेवा पॉर्टल पर अभिभाषण उपलब्ध होने के बावजूद उनकी तरफ से हार्डकॉपी उपलब्ध करवाने की मांग उठी थी, उनकी इस मांग को स्वीकार करते हुए हार्डकॉपी दी गई।

सत्र के पहले दिन करनाल जिले के निसिंग स्थित गुरु ब्रह्मानंद पब्लिक स्कूल के 25 बच्चों और शिक्षकों का समूह विधान सभा सत्र देखने पहुंचे। इस दौरान विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने बच्चों से मुलाकात की और उनके साथ अपने संसदीय कामकाज के अनुभव साझा किए।

अखिल भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा परिषद का तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आज से

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 07 मार्च। अखिल भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा परिषद के 80वें वैचारिक वर्ष और 41वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 8 से 10 मार्च तक दुखभंजन मंदिर हॉल में किया जाएगा। विस्तृत जानकारी देते हुए संस्था के उपाध्यक्ष डॉ स्वामी शंकरानंद , सचिव डॉ नरेंद्र प्रसाद सिंह एवं डॉ प्रदीप टाकू, सहयोगी स्वामी रवि भारती, साध्वी मोक्षिता, डॉ सचिन्द्र कुमार व डॉ मनीश कुकरेजा ने बताया कि अखिल भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा परिषद की संकल्पना 18 नवंबर 1945 को हुई थी और बाद में 1956 में इसकी स्थापना हुई। स्थापना के बाद से यह योग और प्राकृतिक चिकित्सा के उत्थान और समाज के सभी वर्गों में इसके प्रसार के लिए काम कर रहा है और गांधीजी के विचारों और आदर्शों पर काम कर रहा है। परिषद का नेतृत्व कई राष्ट्रीय नेताओं जैसे संत विनोबा भावे के भाई बालकोबा भावे, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई, प्रखर गांधीवादी और गुजरात के पूर्व राज्यपाल श्रीमन नारायण, पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्यपाल प्रो. सिद्धेश्वर प्रसाद, पद्मविभूषण दीदी निर्मला देशपांडे, देश के प्रख्यात सर्वोदय नेता और संत विनोबा भावे की आध्यात्मिक पुत्री और अन्य ने किया। प्रो. डॉ. शंकर कुमार सान्याल, अंतरराष्ट्रीय ख्याति के प्रखर गांधीवादी और महात्मा गांधी द्वारा 1932 में स्थापित हरिजन सेवक संघ के अध्यक्ष, अखिल भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा परिषद (एबीपीसीपी) के वर्तमान अध्यक्ष हैं।

तस्कर सीआईए पुलिस की गाड़ी को टक्कर मारकर हुए फरार

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 07 मार्च। शहर में सीआईए पुलिस की गाड़ी को टक्कर मार कर नशा तस्कर फरार हो गए। गाड़ी को टक्कर लगने से एक पुलिसकर्मी भी चोटिल हुआ है। तस्करों की गाड़ी में डोडापोस्त भरा था। चोटिल पुलिसकर्मी का नागरिक अस्पताल में उपचार करवाया गया।

बताया जा रहा है कि सीआईए पुलिस ऐलनाबाद को सूचना मिली थी कि पंजाब के तीन-चार नशा तस्कर गाड़ी में डोडापोस्त लेकर आए हुए हैं। सीआईए टीम ने उनको पकड? का प्रयास किया। मगर नशा तस्करों ने गाड़ी भगा दी। इसके बाद चार सदस्यीय सीआईए टीम ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया। नशा तस्कर आगे-आगे गाड़ी दौड़ते रहे जबकि सीआईए टीम पीछे लगी रही। करीब 30 किलोमीटर से भी अधिक दूरी तक पीछा करते हुए सिरसा तक पहुंच गई। इसी बीच ऐलनाबाद सीआईए टीम ने वायरलैस पर वीटी करवा दी। इसके बाद सीआईए ने भी नशा तस्करों को पकड? के प्रयास शुरू कर दिए। सिरसा शहर के पास रानियां रोड पर सिरसा सीआईए की टीम ने गाड़ी नशा तस्करों की गाड़ी के पीछे लगाई तो आरोपियों ने सीआईए गाड़ी को टक्कर मार दी। इससे सीआईए की गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई जबकि तस्कर फरार हो गए। गाड़ी की टक्कर से डिवाइडर भी टूट गया और गाड़ी भी आगे से क्षतिग्रस्त हो गई। इस घटनाक्रम में एक पुलिसकर्मी चोटिल हो गया जबकि बाकी बाल बाल बच गए। इसके बाद सिरसा शहर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची।

ट्रेन से कटकर युवक ने की आत्महत्या

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 07 मार्च। शहर में ऑटो मार्केट के पास एक व्यक्ति ने ट्रेन के नीचे आकर आत्महत्या कर ली। व्यक्ति मेरठ से श्रीगंगानगर जा रही ट्रेन के नीचे आया। सूचना पाकर रेलवे पुलिस के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और मृतक के परिजनों को सूचना दी।

बताया जा रहा है कि फतेहाबाद जिले के टोहाना क्षेत्र निवासी करीब 40 वर्षीय सुरेश कुमार पिछले कुछ समय से सिरसा में ही शिव चौक के पास किराए पर पत्नी अंजू के साथ रहता था। बृहस्पतिवार दोपहर बाद से ही वह घर से रेलवे लाइनों के पास आ गया। वह करीब तीन घंटे से भी अधिक समय तक रेलवे लाइनों के पास बैठा था। जैसे ही मेरठ से श्रीगंगानगर जाने वाली ट्रेन आई तो वह ऑटो मार्केट के पास ट्रेन के आगे आ गया। इससे उसका शरीर दो हिस्सों में कट गया और उसकी मौत हो गई। मृतक सुरेश की जेब से पुलिस को मोबाइल मिला। मोबाइल बंद था। जैसे ही पुलिस ने मोबाइल ऑन किया तो उसकी पत्नी अंजू का कॉल आया। पुलिस ने अंजू को घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी। इसके बाद परिजन मौके पर आए। फिर पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया। जीआरपी के सब इंस्पेक्टर छिंद्रपाल ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने बिल्कुल नए मैनुअल ट्रांसमिशन ग्रेड में लेजेंडर 4बाय4 पेश किया

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

हिसार, 07 मार्च। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने टोयोटा लेजेंडर 4बाय4 का मैनुअल ट्रांसमिशन (एमटी) वैरिएंट (रूपांतर) पेश किया। रोमांच चाहने वाले ड्राइविंग के उत्साहियों के लिए डिजाइन किया गया यह नया वैरिएंट पावर, लग्जरी और अत्याधुनिक तकनीक का एक बेहतरीन मिश्रण प्रदान करते हुए जुड़ाव और नियंत्रण को बेहतर करता है।

किसी भी इलाके में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार, लेजेंडर ने 2021 में भारत में अपनी शुरूआत की, जिसमें उन्नत 4बाय4 क्षमता हैं, जो इसे ऑफ-रोड रोमांच के लिए आदर्श साथी बनाती हैं। लेजेंडर 4बाय4 एमटी के केंद्र में जाना-माना 2.8 लीटर डीजल इंजन है, जिसे बेजोड़ पावर डिलीवरी के लिए इंजीनियर किया गया है। 204 पीएस की पावर और 420 एनएम का टॉर्क पैदा करने वाला यह पावरट्रेन उन लोगों के लिए बनाया गया है जो अपनी ड्राइव पर पूर्ण नियंत्रण पसंद करते हैं।

6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन सुस्पष्टता बढ़ाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि उत्साही लोग चुनौतीपूर्ण इलाकों में आसानी से नेविगेट कर सकते हैं और सहज गियर शिफ्ट के रोमांच का आनंद ले सकते हैं। टोयोटा की उन्नत 4बाय4 तकनीक चालकों को विविध परिदृश्यों से निपटने के लिए और अधिक सशक्त बनाती है, जिससे लीजेंडर शहरी रोमांच और ऑफ-रोड रोमांच दोनों के लिए एक आदर्श साथी बन जाता है। लेजेंडर 4बाय4 एमटी की पेशकश पर अपने विचार रखते हुए, सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के उपाध्यक्ष, श्री वरिंदर वाधवा ने कहा कि हम टोयोटा लेजेंडर के नए ग्रेड का अनावरण करते हुए रोमांचित हैं। इसे हमारे मूल्यवान ग्राहकों की बढ़ती मांगों और प्राथमिकताओं के जवाब में विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। एमटी वैरिएंट में इसे नया शामिल किया जाना न सिर्फ लेजेंडर की अपील को और बढ़ाएगा, बल्कि आज के ग्राहक की गतिशील जरूरतों को पूरा करने वाले बहुमुखी समाधान प्रदान करने की टोयोटा की प्रतिबद्धता को भी मजबूत करेगा। हमें विश्वास है कि हम बाजार में एक महत्वपूर्ण अंतर को संबोधित कर रहे हैं क्योंकि हम प्रीमियम एसयूवी उत्कृष्टता की सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर ड्राइव अधिक गतिशील, इमर्सिव और भारतीय ग्राहकों की अपेक्षाओं के अनुरूप है।

बाइक सवार दो युवक 5.60 ग्राम हेरोइन सहित काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 07 मार्च। कालांवाली थाना पुलिस ने गश्त व चैकिंग के दौरान नाका तख्तमल क्षेत्र से बाइक सवार दो युवकों को 5.60 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है।

कालांवाली थाना प्रभारी उप निरीक्षक रामफल ने बताया कि एएसआई पप्पू सिंह पुलिस पार्टी के साथ गश्त व चैकिंग के दौरान नाका तख्तमल पर मौजूद थे। इस दौरान कालांवाली की ओर से बाइक पर दो युवक आते दिखाई दिए। उक्त बाइक सवार सामने नाका तख्तमल पर खड़ी पुलिस पार्टी को देखकर वापस मुड? लगे। पुलिस ने शक के आधार पर उक्त बाइक सवार युवकों को काबू कर उनकी तलाशी ली तो उनके कब्जा से 5.60 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपियों की पहचान लवप्रीत उर्फ लवली पुत्र भूपेंद्र सिंह व रमनदीप उर्फ शंभू पुत्र बिंद्र सिंह निवासी रायपुर थाना जोड़किया जिला मानसा पंजाब के रूप में हुई है।

चकाचौंद रैपर से युक्त दवा के चक्कर में न फंसे : सांसद धर्मवीर

जन औषधि दवाओं की कीमतें खुले बाजार में उपलब्ध ब्रांडेड दवाओं की कीमतों से 50-80 प्रतिशत कम हैं : सांसद

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

भिवानी, 07 मार्च। भिवानी के नागरिक अस्पताल में आज जन औषधि दिवस मनाया गया। इस अवसर पर भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। 7 मार्च 2019 में देश भर में भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय औषध विभाग द्वारा प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना शुभारंभ की गई थी ।

भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने जन औषधि पर फोकस डालते हुए कहा कि देश के 36 राज्यों व केंद्र शासित क्षेत्रों में यह दवा उपलब्ध रहेगी। कुल मिलाकर 2047 दवाइयां एवं 300 सर्जिकल और अन्य उत्पादन केंद्र पर उपलब्ध रहेंगे,जो सस्ते भाव में लोगों को मिलेंगे। 2014 में 80 केंद्र से बढ़कर आज 15000 केंद्र बन चुके हैं और मार्च 2026 तक के 20000 और मार्च 2027 तक 25000 केंद्र स्थापित किए जाएंगे। आज तक कुल 6886 करोड़ की दवा उपलब्ध कराई गई है।वर्ष 2024 में 1800 करोड़ की बिक्री हुई है।जन औषधि केंद्र के लिए कोई भी व्यक्ति,एनजीओ,ट्रस्ट अस्पताल व फार्मासिस्ट आवेदन कर सकता है।

भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने कहा कि उन्होंने कहा कि हर साल 7 मार्च को 'जन औषधि दिवस' के रूप में मनाया जाता है ताकि इस योजना के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके और जेनेरिक दवाओं के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा सके। इस पहल को समर्थन देने के लिए 1 से 7 मार्च तक पूरे देश में सप्ताह भर के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

सांसद ने कहा कि व्यक्तियों की

आदत बनी हुई है कि ज्यादा महंगी चीज ज्यादा अच्छी है, कम रेट वाली अच्छी नहीं होती तो हमें इस धारणा को बदलना होगा, क्योंकि दवा के अंदर यदि एक जैसा साल्ट तो फिर हम महंगी दवा कि तरफ क्यों भागे। इसलिए हमें इस विचार को बदलना होगा,इसके लिए संकल्प लेना होगा।जब हमें सस्ती दवा मिल रही है तो फिर दूसरी तरफ हम क्यों भाग रहें हैं। वहीं सांसद ने कहा कि आज सरकार किसी प्रकार की कमी नहीं छोड़ रही है। सही स्वास्थ्य के लिए एम्स जैसी स्वास्थ्य सेवा दी जा रही है, काफी एम्स बने हैं और सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज बने। इसलिए हमें सरकारी सिस्टम को समझना होगा और लोगों को समझना होगा।

सांसद ने कहा कि आज हर चीज में व्यवसायीकरण को बढ़ावा मिल रहा है और सामाजिक सेवा लोग भूलते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के जन औषधि केंद्र प्राइवेट अस्पतालों के आसपास में भी खुलना चाहिए, ताकि वहां पर भी लोगों को सस्ती दवा उपलब्ध हो सके। वहीं सांसद धर्मवीर सिंह ने भिवानी के नागरिक अस्पताल में मशीन या अन्य उपकरण की कोई कमी है तो इस बारे में स्वास्थ्य विभाग से रिपोर्ट मांगी है,ताकि 10 मार्च से पहले यहां जो भी खामी है,उसकी रिपोर्ट तैयार हो सके, अस्पताल में कितनी एक्सरे मशीन है, कितनी चालू है और टोटल मशीन कितनी हैं और कितनी एमआरआई मशीन है तथा कितने ऑपरेटर हैं।

पूरी तरह से एक रिपोर्ट बनाकर उन्हें दी जाए, ताकि 10 मार्च को बजट स्तर शुरू होगा तो उसमें इन तमाम मांगों को उठाया जा सके। जन औषधि दवाओं की कीमतें खुले बाजार में उपलब्ध ब्रांडेड दवाओं की कीमतों से 50%-80% कम हैं । सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) ने आम जनता को कम दामों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयाँ उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे देश के हर कोने तक स्वास्थ्य सेवा पहुँचना सुनिश्चित हुआ है।

सभी जिलों में अब 15,000 से अधिक जन औषधि केंद्रों के चालू होने के साथ, इस योजना ने न केवल स्वास्थ्य सेवा की सामर्थ्य को बढ़ाया है, बल्कि स्वरोजगार के लिए एक आशाजनक अवसर भी बनाया है, जिससे स्थायी और नियमित आय की पेशकश की जा रही है। सरकार जेनेरिक दवाओं के उपयोग को बढ़ावा देना जारी रखती है, इस योजना में और वृद्धि देखने को मिलेगी, जिससे भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और उद्यमिता को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका मजबूत होगी।

सेंसोडाइन ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे 2025 कैंपेन की शुरूआत की

महाकुंभ में मात्र 1 दिन में 27,396 डेंटल स्क्रीनिंग पूरी की गई

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

अम्बाला, 07 मार्च। सेंसोडाइन, जो हेलियोन (पहले ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन कंज्यूमर हेल्थकेयर) का एक जानामाना ओरल केयर ब्रांड है, उसने 24 घंटे में सबसे ज्यादा ऑनलाइन डेंटल स्क्रीनिंग टेस्ट पूरे कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। महाकुंभ 2025 में आयोजित इस पहल में लगभग 27,000 से ज्यादा लोगों ने डेंटल चेकअप कराया। यह भारत में ओरल केयर के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक बहुत बड़ी कामयाब कोशिश रही। इस पहल में अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए सेंसोडाइन ने अपने नए 20 रुपए के छोटे टूथपेस्ट पैक बाँटे, जो सेंसिटिविटी से सुरक्षा अब कम दाम में उपलब्ध कराएगा। यह रिकॉर्ड सेंसोडाइन, के वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे कैंपेन की शुरूआत भी करता है, जिसका लक्ष्य लोगों को बेहतर ओरल हेल्थ की ओर कदम बढ़ाने के लिए जागरूक करना है। सेंसोडाइन, पिछले 10 सालों से भी ज्यादा समय से लोगों

को दांतों की सेंसिटिविटी पहचानने और सही समय पर उसके लिए कदम लेने के लिए जागरूक कर रहा है।

इस दौरान, ब्रांड ने पूरे भारत में "चिल टेस्ट" किए हैं, जिससे लाखों लोगों को उनकी समस्या को समझ कर उसके लिए कदम लेने और फिर से अपने पसंदीदा खाने का लुत्फ उठाने में मदद मिली है। यह पहल लोगों की जीवन की खुशहाली लौटने की दिशा में एक बड़ा कदम है।किशले सेठ, कैटेगरी लीड, ओरल हेल्थ, हेलियोन इंडिया सबकॉन्टिनेंट ने बताया कि, " सेंसोडाइन, में हमारा लक्ष्य लोगों को उनकी ओरल हेल्थ की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित करना है। महाकुंभ 2025 में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना सिर्फ आंकड़ों की बात नहीं है, बल्कि यह हजारों लोगों तक पहुंचने, जागरूकता बढ़ाने और हर दिन बेहतर ओरल हेल्थ को प्रोत्साहित करने की हमारी कोशिशों का हिस्सा है। हम इस पहल को आगे बढ़ा रहे हैं और वर्ल्ड ओरल हेल्थ मंथ के दौरान ओरल हेल्थ की शिक्षा को बढ़ावा दे रहे हैं। साथ ही, फ्री डिजिटल डेंटल चेक-अप की सुविधा भी दे रहे हैं। ओरल केयर की शिक्षा, जागरूकता और सही इलाज सभी के लिए सुलभ करने की इन लगातार कोशिशों के जरिए सेंसोडाइन, भारत में ओरल हेल्थ को बेहतर बनाने में लगा है।डॉ. अशोक ढोबले, ऑनरेबल सेक्रेटरी जनरल हेड, इंडियन डेंटल एसोसिएशन ने कहा कि, "हम भारत में ओरल हेल्थ जागरूकता बढ़ाने की इस पहल में सेंसोडाइन, के साथ साझेदारी करके गर्व महसूस कर रहे हैं। इंडियन डेंटल एसोसिएशन हमेशा से ही बचाव वाली दंत चिकित्सा को बढ़ावा देने में आगे रहा है, और यह पहल शिक्षा और पहुंच की ताकत को दिखाने का एक अच्छा उदाहरण है। यह कोशिश न केवल लोगों को बेहतर ओरल हेल्थ की ओर पहला कदम उठाने के लिए प्रेरित करती है, बल्कि समय पर पहचान कर उसके लिए कदम लेने की अहमियत को भी उजागर करता है।"

योग शिक्षा और स्वास्थ्य महाविद्यालय, चंडीगढ़ में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर जागरूकता सत्र आयोजित

हरियाणा वाटिका/प्रवीन कुमार

चंडीगढ़, 07 मार्च। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, आज सरकारी योग शिक्षा और स्वास्थ्य महाविद्यालय, सेक्टर 23, चंडीगढ़ में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर एक ज्ञानवर्धक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। डॉ. सपना नंदा, प्राचार्या के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न और महिलाओं की सुरक्षा के लिए मौजूद कानूनी उपायों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था, जो इस वर्ष के विषय "कार्रवाई में तेजी लाओ" के अनुरूप था।

कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जो सत्र की शुरूआत का प्रतीक था। डॉ. सपना नंदा ने विशिष्ट अतिथि, माननीय न्यायाधीश श्री सुरेंद्र कुमार, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, यूटी चंडीगढ़ के सदस्य सचिव का औपचारिक रूप से स्वागत किया। उन्होंने कानूनी क्षेत्र में, विशेष रूप से महिलाओं के लिए न्याय और कानूनी अधिकारों को बढ़ावा देने में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर भी प्रकाश डाला।

अपराध, अपराधियों का कसेगा शिकंजा, एसपी ने ली बैठक, दिए कड़े निर्देश

बोले, वांछितों की धरपकड़ करें तेज

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 07 मार्च। जिला में दिन प्रतिदिन बढ़ रही अपराध की घटनाओं का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने पुलिस अधिकारियों की बैठक ली।

पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों की बैठक में जिले में बढ़ रही चोरी की घटनाओं, लगातार नशे के व्यापार के फैलाव, महिलाओं व बच्चों के विरूद्ध बढ़ रहे अपराध व होली के त्यौहार को लेकर पुलिस अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने पुलिस को पब्लिक का सहयोग लेने की सलाह दी। इस बैठक में एएसपी उतम पहल, डीएसपी आदर्शदीप सिंह तथा डीएसपी संजीव बल्हारा सहित जिला के सभी थाना प्रभारी मौजूद थे। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि अपराध एवं अपराधियों तथा गैर कानूनी धंधा करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे हैं अभियान में और तेजी लाई जाए। उन्होंने थाना

प्रबंधकों को कहा कि विभिन्न मामलों में वांछित भगोड़ों की धरपकड़ तेज करें तथा आदतन अपराधियों की हिस्ट्री शीट खोलें तथा समय समय पर चैक कर उनकी गतिविधियों पर पैनी नजर रखें। पीएम विंडो,जन-संवाद, सीएम विंडो व हरसमय पोर्टल पर आने वाली शिकायतों का निश्चित समय अवधि में निपटारा कर सही समय पर जबाव भेजे तथा पीड़ित व्यक्ति की फरियाद सुन कर उसे शीघ्र अति शीघ्र न्याय दिलाएं।

नशे के खिलाफ चलाएं जागरूकता अभियान:

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में आमजन का सहयोग लेकर और अधिक तेजी लाई जाए तथा आम जन को नशे जैसी बुराई के बारे में जागरूक भी किया जाए। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने कहा कि सभी पुलिस अधिकारी व कर्मचारी आधुनिक टेक्नोलॉजी से अपने आप को पूरी तरह प्रशिक्षित रखें और उच्च अधिकारियों के निदेशों की पालना करते हुए मांगे गए जबाव को निश्चित समय अवधि में भेजना सुनिश्चित करें ।

महिलाओं, बच्चों के विरूद्ध अपराधों के प्रति गंभीरता जरूरी:

बैठक में पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने इस अवसर पर सभी थाना प्रभारियों को निर्देश देते हुए कहा कि लागू हुए तीन नए कानूनों तथा ई-साक्ष्य एप, ई-चालान तथा ई-समनिंग बारे सभी पुलिस अधिकारी एवं जांच अधिकारी अपने आप को पूरी तरह से अपडेट रखें तथा लंबित मामलों को शीघ्र निपटाएं। उन्होंने कहा कि महिलाओं तथा बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों को गंभीरता से लें तथा तत्काल कार्रवाई करें।

नहीं बर्दाश्त होगी लापरवाही, कोताही:

पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों से कहा कि विभिन्न प्रकार की चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए विशेष सावधानी व सतर्कता बरतें और अधिक से अधिक पुलिस चेकिंग व पैदल गश्त बढ़ाई जाए ताकि गृहभेदन व वाहन चोरी जैसी घटनाओं की पुनरावृति को रोका जा सकें। उन्होंने कहा कि थाने के रिकॉर्ड को पूरी तरह कंप्युटरिकृत एवं अपडेट रखें तथा उच्च अधिकारियों द्वारा मांगे गए जबाव सही समय पर भेजना सुनिश्चित करें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हर सप्ताह सभी थाना प्रभारियों के कामकाज की समीक्षा होगी तथा काम में लापरवाही व कोताही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगी।

व्यापारी नेता कीर्ति गर्ग ने थामा कमल

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 07 मार्च। क्षेत्र के प्रमुख व्यापारी नेता एवं समाजसेवी कीर्ति गर्ग भाजपा में शामिल हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मु,यमंत्री नायब सिंह सैनी की नीतियों से प्रभावित होकर कीर्ति गर्ग भाजपा में शामिल हुए हैं। कई सामाजिक और व्यापारिक संगठनों से जुड़े कीर्ति गर्ग आढ़ती एसोसिएशन के उपाध्यक्ष भी रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियां किसानों और व्यापारियों के हित में है। इंस्पेक्टरी राज से मुक्ति दिलवाने और शासन प्रशासन में पारदर्शिता लाने का कार्य भाजपा सरकार ने किया है। जारी किए वक्तव्य में व्यापारी नेता कीर्ति गर्ग ने कहा कि भविष्य में वे पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निदेर्शानुसार सिरसा में पार्टी की नीतियों के प्रचार-प्रसार में योगदान देंगे।

श्री खाटू श्याम धाम में दो दिवसीय फाल्गुन महोत्सव 10 से

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 07 मार्च। रानियां रोड स्थित श्री खाटू श्याम धाम, सिरसा में फाल्गुन सुदी एकादशी व द्वादशी, 10 व 11 मार्च को श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा।

मंदिर के प्रवक्ता दीपेश गोयल ने बताया कि 10 मार्च की रात्रि 8.15 बजे से कीर्तन होगा, जिसमें बाहर से आए कलाकार बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे। इसी दिन आसपास के गांवों व शहर से आए श्रद्धालु बाबा श्याम को ध्वजा अर्पण कर शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। रात्रि को भव्य आतिशबाजी होगी और भक्तों के संग गुलाल व फूलों की होली खेली जाएगी। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था मंदिर कमेटी की ओर से की जाएगी। मध्य रात्रि को बाबा की पावन आरती कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 11 मार्च द्वादशी को बाबा की पावन ज्योत जलाई जाएगी और बाबा को भोग लगाने के बाद भक्तों को खीर चूरमे का प्रसाद वितरित किया जाएगा।

6.20 लाख की ठगी का तीसरा आरोपी काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 07 मार्च। साइबर थाना की पुलिस टीम ने टेलीग्राम एप के जरिए 6 लाख 20 हजार रुपए का चूना लगाने के मामले में तीसरे आरोपी को राजस्थान के जोधपुर क्षेत्र से काबू किया है।

पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि विकास कुमार पुत्र कृष्ण कुमार निवासी बिडविराना राजस्थान, हाल डबवाली रोड, सिरसा के साथ साइबर अपराधियों ने टेलीग्राम एप के जरिए मैसेज भेज कर बिटकॉइन में पैसे इन्वेस्टमेंट कर कम समय में बड़ा मुनाफा कमाने का झांसा देकर साइबर फ्रॉड को अंजाम दिया था। उन्होंने बताया कि पीड़ित व्यक्ति ने साइबर अपराधियों के झांसे में आकर अपने अकाउंट की डिटेल को साइबर अपराधियों को शेयर कर दी । साइबर अपराधियों ने पीड़ित व्यक्ति के खाते से 6 लाख 20 हजार रुपए उड़ा दिए। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर 6 नवंबर 2024 को साइबर थाना सिरसा में अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न आपराधिक धाराओं के तहत मामला दर्ज का जांच शुरू की गई थी। उन्होंने बताया कि साइबर थाना की एक विशेष पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए घटना में संलिप्त तीसरे आरोपी अंशु राजपुरोहित पुत्र अर्जून राजपुरोहित निवासी वार्ड नंबर 15 गांव बराड़ा, सिरोही, राजस्थान को जोधपुर क्षेत्र से काबू कर लिया है। गौरतलब है कि इस संबंध में पुलिस ने दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी से पूछताछ कर उसकी निशानदेही पांच हजार दो सौ रुपए व वारदात में प्रयुक्त मोबाइल फोन बरामद कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।

सुनीता व मनीता ने श्लोकाचरण प्रतियोगिता में पाया तीसरा स्थान

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 07 मार्च। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा संस्कृत विभाग और हरियाणा साहित्य एवं संस्कृत अकादमी के संयुक्त प्रधानमंत्री अंतर विश्वविद्यालय संस्कृत श्लोकोंचारण, भाषणम् प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में चौधरी कुरड़ाराम राम मैमोरियल महिला महाविद्यालय जमाल की छात्रा सुनीता और मनीता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

प्राध्यापिका कविता ने बताया कि चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में आयोजित श्लोकोच्चारण संस्कृत प्रतियोगिता में केआरएम कालेज की स्नातक तृतीय वर्ष की छात्रा सुनीता और मनीता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में मंजू, आरती, रचना की टीम ने चौथा स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय में इन पट्टी वाली प्रतिभाशाली छात्राओं को महाविद्यालय प्रबंधन व स्टाफ सदस्य ने बधाई दी और अभिनंदन किया। इस अवसर पर निदेशक वेद प्रकाश गुप्ता, प्राचार्य डॉ. दलजीत सिंह, खेल प्रशिक्षक डॉ. जसवीर जाखड़ कागदाना, प्राध्यापिका सुशीला हुड्डा, प्रधान राजेश, सुनीता, कविता सहित सभी स्टाफ सदस्यों ने बधाई दी।

ख्वाबों की जिंदगी से बाहर आकर वास्तविक जीवन जीने की आदत डालें लड़कियां : प्रो. संतोष दहिया

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 07 मार्च। आए दिन लड़कियों के साथ हो रहे बलात्कार और हत्याओं ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है और रोहतक के हिमानी नरवाल और उत्तर प्रदेश अनन्या साहनी हत्याकांडों ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की प्रोफेसर एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ संतोष दहिया ने विश्वविद्यालय में अपने विद्यार्थियों के साथ चर्चा करते हुए बताया कि दोनों ही मामलों में प्रेमियों ने लिव इन में रहने वाली अपनी प्रेमिकाओं के साथ केवल बलात्कार और निर्मम हत्या ही नहीं की बल्कि उन्हें मार कर ब्रीफकेस में डालकर कहीं फेंक देना इस बात का प्रमाण है कि अब अपराध करने वालों की कोई सीमा नहीं रही। इस संकीर्णता के चलते वह किसी हद तक जा सकते हैं। शायद इसी को कलयुग कहा जाता होगा। लेकिन अगर लड़कियां सुरक्षित रहना चाहती हैं तो उन्हें खुद को सुरक्षित रखना पड़ेगा क्योंकि माहौल बदल गया है लोग ऊपरी दिखावे की जिंदगी जीने लगे हैं बड़ी-बड़ी बातें, बड़े-बड़े ख्वाब दिखाकर लड़कियों को बहलाना -फुसलाना फिर उनके साथ गैंगरेप करना और आखिर उनकी हत्या करना यह आम बात हो गई है। डॉ संतोष दहिया ने लड़कियों को समझाते हुए कहा कि अपने सीमित संसाधनों के साथ जीने की आदत डालें, संयमित रहे, मां-बाप, भाई - बहन का कहना माने ताकि तुम्हें कोई बहला फुसला ना सके। क्योंकि ख्वाबों की जिंदगी इतनी खूबसूरत नहीं होती जो दिखाई देती है वह केवल ख्वाब होते हैं जो आंख खुलते ही टूट जाते हैं। ख्वाबों की जिंदगी से बाहर आकर वास्तविक जीवन जीने की आदत डालें ताकि तुम्हारे जीवन से कोई खेल ना सके। डॉ संतोष दहिया ने लड़कियों को समझाते हुए कहा कि इस जीवन पर मां-बाप का अधिकार है और सबसे ज्यादा तुम्हारे हितैषी मां-बाप ही हो सकते हैं, उन पर विश्वास रखें और अगर कोई बात मन में है तो उनको विश्वास में लेकर आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि मां-बाप से बड़ा शुभचिंतक कोई दूसरा नहीं हो सकता अगर तुमने अपनी पसंद के लड़के से शादी करनी है तो उनको विश्वास में लेकर शादी करें ना कि कहीं भी किसी के साथ जाकर रहने लगें।

नितिन गोयल प्रधान एवं राजेंदर सिंघल बने अग्रसेन पब्लिक स्कूल के महासचिव

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 07 मार्च। अग्रसेन पब्लिक स्कूल सेक्टर-13 (दी महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल सोसाइटी रजि.) के कार्यकारणी के चुनाव आगामी दो वर्षों के लिए सम्पन हो गए हुए। इन चुनावों में धर्मनगरी कुरुक्षेत्र के उद्योगपति नितिन गोयल को स्कूल मनेजमेंट कमेटी का प्रधान निर्विरोध चुना गया। उद्योगपति ईश्वर चन्द सिंगला को उप प्रधान, समाजसेवी राजेंदर सिंघल को महासचिव, उद्योगपति रमेश बंसल को सहसचिव, उद्योगपति राजेश अग्रवाल को प्रबंधक, व्यवसाई प्रवेश कुमार गुप्ता को कोषाध्यक्ष, समाजसेवी माणिक गोयल को पीआरओ एवं प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. के. सी अग्रवाल, डॉ आर. एन. बंसल एवं संजय गोयल को कार्यकारणी सदस्य चुना गया। प्रधान नितिन गोयल ने बताया कार्यकारणी समाज हित में पहले की तरह काम करेगी। सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है उसे वो पूरी निष्ठा से काम करेंगे। स्कूल मैनेजमेंट के चुनावो में रोशन लाल गुप्ता, रविंदर कुमार अग्रवाल तथा अमित गोयल भी उपस्थित थे। चुनाव सोसाइटी के अध्यक्ष मूल चन्द गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

सीडीएलयू के विद्यार्थियों ने फोल्क डांस प्रतियोगिता में जीता राष्ट्रीय चैंपियन खिताब

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 07 मार्च। एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा में आयोजित 38वें एआईयू इंटर यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय युवा महोत्सव की विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। सीडीएलयू के इस दल ने फोल्क डांस प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल करके राष्ट्रीय चैंपियन का खिताब जीता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नरसी राम बिश्नोई ने युवा कल्याण निदेशालय एवं विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सीडीएलयू ने अपनी उत्कृष्टता को साबित किया है। हमारे छात्रों ने 100 प्रतिशत उत्कृष्ट परिणाम दिए हैं, जो उनके समर्पण और मेहनत का परिणाम है। हमें अपने छात्रों पर गर्व है और यह विश्वविद्यालय के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। युवा कल्याण निदेशक डॉ. मंजू नेहरा ने बताया कि यह युवा महोत्सव 3 मार्च से 7 मार्च तक एमिटी यूनिवर्सिटी में आयोजित हुआ जिसमें 148 यूनिवर्सिटीज ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नरसी राम बिश्नोई के दिशा निर्देशन में तथा सीडीएलयू के कुलसचिव डॉ राजेश कुमार बंसल के मार्ग दर्शन में सीडीएलयू द्वारा 9 इवेंट्स में टीमें भेजी गई थी और सभी टीमों ने पुरस्कार अर्जित कर एक नया रिकॉर्ड कायम किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की टीम ने फोल्क डांस में प्रथम स्थान हासिल कर राष्ट्रीय चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। इसके अलावा, फोल्क ऑर्केस्ट्रा और माइम (थिएटर) में द्वितीय स्थान, वेस्टर्न ग्रुप सांग तथा वेस्टर्न वोकल सोलो व मेहंदी प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त कार्टूनिंग में दूसरा स्थान, पोस्टर मार्किंग में तीसरा स्थान व म्यूजिक परसेकशन में दूसरा स्थान प्राप्त किया। डॉ. नेहरा ने बताया कि इससे पहले भी हिसार में आयोजित 38वें ए.आई.यू. इंटर यूनिवर्सिटी नॉर्थ-वेस्ट जोन यूथ फेस्टिवल में भी बेहतर प्रदर्शन किया था। इस दल की अगुवाई युवा कल्याण निदेशक डॉ. मंजू नेहरा व सहायक युवा कल्याण निदेशक राजेश छिकारा द्वारा की गई।

मुख्यमंत्री द्वारा महिला दिवस पर जिला भिवानी को किया जाएगा सम्मानित: उपायुक्त महावीर कौशिक

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 07 मार्च। उपायुक्त महावीर कौशिक की अध्यक्षता में स्थानीय लघु सचिवालय स्थित उनके कार्यालय में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा क्रियान्वित योजनाओं व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इस दौरान उपायुक्त ने बताया कि पोषण ट्रेकर व लिंगानुपात आदि में सराहनीय कार्य करने पर प्रदेशभर में जिला भिवानी तीसरे नंबर पर आया है। महिला दिवस के अवसर पर प्रदेश में तीसरे नंबर पर आने पर सम्मानित भी किया जाएगा। इसके अलावा आठ मार्च को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जिला में नई बनाई गई पांच आंगनबाड़ी केंद्रों का ऑनलाईन माध्यम से उद्घाटन भी करेंगे।

बैठक में उपायुक्त ने बताया कि विभाग द्वारा पोषण ट्रैकर पर जनवरी से नवंबर 2024 में होम विजिट सीबीई वीएचएसएनडी और आधार वेरिफिकेशन 95 प्रतिशत रहा है। इस दौरान सेम बच्चे भी 850 से घटकर 366, जोकि 57 प्रतिशत कम हुआ है। अंडर वेट बच्चे 762 थे, जो अब घटकर 518 हो गए है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सराहनीय कार्य करने पर न्यूट्रेशन अवार्ड 2024-25 मिलेगा।

बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी ने उपायुक्त को बताया कि सभी लाभार्थियों का डाटा पोषण ट्रैकर पर अपडेट किया गया है ताकि सभी लाभार्थियों में पोषण के स्तर की पहचान पोषण ट्रैकर के माध्यम से हो सकें एवं सभी को पोषाहार मिल सकें। उन्होंने बताया कि सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों के वजन व लंबाई के लिए विभिन्न ग्रोथ मॉनिटरिंग मशीन दी गई है। उन्होंने बताया कि महिलाओं को जागरूक करने के लिए जिला स्तर, खंड स्तर, व आंगनबाड़ी स्तर पर पोषण माह एवं पोषण जागृति माह मनाए गए। पोषण माह के दौरान विशेष तौर पर कुपोषित बच्चों की पहचान, पौधारोपण कार्यक्रम, रेसिपी प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, आंगनवाडी केन्द्रों में साफ-सफाई व पोषण के प्रति जागरूकता किया गया। इसके अलावा प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना स्कीम, बेटी बचाओ बेटी-पढाओ योजना सहित अन्य योजनाओं बारे भी जागरूक किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को हरियाणा सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की गरिमामयी उपस्थिति व श्रीमती श्रुति चौधरी महिला एवं बाल विकास तथा सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन बिप्स, सेक्टर -1, पंचकूला में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में राज्य स्तर पर भिवानी जिला के तीसरे स्थान हासिल करने पर महावीर कौशिक माननीय उपायुक्त को उच्च लिंगानुपात 2024 अवार्ड, राशि दो लाख तथा राज्य स्तर पर भिवानी जिला के तीसरे स्थान हासिल करने पर पोषण पुरस्कार अवार्ड व राशि 50 हजार से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान भिवानी जिले की तीन महिला खिलाडि ?ों को भी सरकार द्वारा सम्मानित किया जायेगा। जिला भिवानी की आपकी बेटी हमारी बेटी योजना की 60 लाभार्थियों को नगद परिपक्वता राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा जिला भिवानी की पांच आंगनबाड़ी केंद्रों का उद्घाटन किया जाएगा, इनमें बड़दू मुगल, धारणवास, ईशरवाल, बुशान, हससान गॉव की आंगनवाड़ी केंद्र शामिल है।

महिला अधिवक्ताओं ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को मनाया धूमधाम से

हर क्षेत्र में महिलाओं ने छोड़ी है अपनी छाप: सरूचि अटरेजा

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 07 मार्च। महिला दिवस का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें सम्मान देना है। महिलाओं ने इतिहास में हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ी है, चाहे वह शिक्षा हो, राजनीति हो, विज्ञान हो या खेल का मैदान।

यह बात स्थानीय जिला न्यायालय के बार सभागार में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि तौर पर कार्यक्रम में शिरकत करते हुए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती सरूचि अटरेजा व मुख्य वक्ता डिप्टी सी.एम.ओ. सुमन विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से कही जबकि कार्यक्रम का शुभारंभ बार एसोसिएशन प्रधान संदीप तंवर, सचिव विनोद भारद्वाज, एडिशनल जिला एवं सत्र न्यायाधीश सरूचि अटरेजा ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित व सरस्वती वंदना कर किया। इस कार्यक्रम में मंच का संचालन अधिवक्ता श्रीमती मुकेश चौहान ने किया। महिला अधिवक्ताओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया।

उन्होंने कहा कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से कम नहीं हैं चाहे वो खेल का मैदान हो या फिर सेना या पुलिस में जाने का वो सदैव आगे रहती हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा व खेल की तरफ बढ़ाने की जरूरत है। हमारी बेटियां बेटों से कही आगे बढकर कार्य करती हैं न्याय के क्षेत्र में भी वो पुरूषों से कम नहीं है। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि व अन्य अतिथिगणों के अलावा बार के प्रधान व सचिव का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर सी.जे.एम. मीता कोहली, सृष्टि जे.एम.आई.सी. श्रीमती सरोज बाला बोहरा प्रजाईंडिंग मैम्बर कंजूमर कोर्ट, शशी किरण कंजूमर कोर्ट सदस्य, पी.एल.ए. मेंबर श्रीमती सुमन बजाड के अलावा उप प्रधान रेणु बाला सैनी, कोषाध्यक्ष कंचन रखेजा, महिला अधिवक्ता मुकेश चौहान, रीना शर्मा, शीला तंवर, मलिका श्योराण, ज्योति भारद्वाज, सावित्री, अंजू बाला अत्री, मधू बाला तिवारी, पूनम सांगवान, मंजू जनागल, पूनम, प्रियंका धुपड, मोनिका जैन, सुशीला गौरया, मीना जांगड़ा, भारती आदि मौजूद थी।

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराने के नियमों की पालना होगी सुनिश्चित: डीसी महावीर कौशिक

ध्वज संहिता को लेकर लोगों को किया जाएगा जागरूक

हरियाणा वाटिका/मनोज मलिक

भिवानी, 07 मार्च। डीसी महावीर कौशिक ने बताया कि राष्ट्रीय ध्वज संहिता की पालना के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। डीसी महावीर कौशिक ने बताया कि गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय ध्वज को फहराने को लेकर लागू भारतीय झंडा संहिता को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में पत्र जारी करते हुए कहा कि राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश के लोगों की आशाओं एवं आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए इसे सम्मान मिलना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज के लिए हर भारतवासी का एक सार्वभौमिक लगाव, आदर तथा वफादारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 तथा भारतीय झंडा संहिता 2002(2021 एवं 2022 में यथा संशोधित) राष्ट्रीय ध्वज के प्रयोग, ध्वजारोहण व संप्रदर्शन को नियंत्रित करते हैं।

डीसी महावीर कौशिक ने लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि भारतीय झंडा संहिता के अनुसार जनता द्वारा कागज से बने राष्ट्रीय झंडो को महत्वपूर्ण राष्ट्रीय, सांस्कृतिक और खेलकूद के अवसरों पर हाथ में लेकर लहराया जा सकता है। लेकिन इस दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि जनता द्वारा प्रयोग किए गए कागज से बने राष्ट्रीय झण्डों को समारोह के पूरा हाने के पश्चात न तो विकृत किया जाए और न ही जमीन पर फेंका जाए। ऐसे झंडों का निपटान उनकी मयार्दा के अनुरूप ही किया जाए। उपायुक्त ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज पूराना होने पर अपने नजदीक के तहसील या बीडीपीओ कार्यालय में जमा करवा सकते हैं। क्षतिग्रस्त या अस्त-व्यस्त ध्वज प्रदर्शित नहीं किया जाएगा। जहां ध्वज खुले में या किसी आम आदमी के घर पर फहराया जाता है, वहां इसे दिन-रात फहराया जा सकता है।

महावीर कौशिक ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है और इसलिए इसे सम्मान का स्थान मिलना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सार्वभौमिक स्नेह, सम्मान और निष्ठा है। फिर भी, राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन पर लागू होने वाले कानूनों, प्रथाओं और परंपराओं के संबंध में लोगों के साथ-साथ सरकारी संगठनों/एजेंसियों में जागरूकता की कमी अक्सर देखी जाती है।

सड़क हादसे में पीड़ितों के कैशलेस इलाज के लिए पायलट परियोजना शुरू

रोड एक्सीडेंट में घायल व्यक्ति को 1.5 लाख की 'कैशलेस' मुफ्त इलाज की मिलेगी सुविधा: एसपी

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 07 मार्च। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने पुलिस लाइन के प्रशासनिक भवन में जिला के सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों थाना प्रभारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने देश में बढ़ती सडक दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इस संबंध में राज्य पुलिस को दिशा-निर्देश जारी किए हैं । उन्होंने बैठक में उपस्थित पुलिस अधिकारियों से कहा कि हरियाणा पुलिस ने इस संबंध में एक अनूठी पहल शुरू की गई है। सडक दुर्घटना में घायलों को अब 1.5 लाख रुपए की कैशलेस मुफ्त उपचार सुविधा प्रदान की जा रही है, सडक दुर्घटना में पीड़ित की मदद के लिए कैशलेस उपचार योजना शुरू की है, जिसके तहत सडक दुर्घटना के 24 घंटे के भीतर पुलिस रिपोर्ट दर्ज होने पर सात दिनों के लिए 1.5 लाख रुपए तक के उपचार को कवर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा निर्धारित पैनल हॉस्पिटल का प्रबंधन करने वाले सडक दुर्घटना में घायल व्यक्ति का डेटा अपने सॉफ्टवेयर में अपलोड करेगा और संबंधित पुलिस स्टेशन को सूचित करेगा। पुलिस छह घंटे के भीतर पुष्टि करेगी कि उक्त व्यक्ति सडक दुर्घटना में शामिल था या नहीं। उन्होंने बताया कि पुलिस की जांच

के दौरान सडक दुर्घटना की पुष्टि होने पर ही घायल व्यक्ति को कैशलेस मुफ्त उपचार मिले सकेगा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सडक दुर्घटना के बाद का एक घंटा गोल्डन ऑवर होता है, इसलिए यदि सडक दुर्घटना में घायल व्यक्ति को नजदीकी हॉस्पिटल में पहुंचाया जाए समय रहते, व्यक्ति के बहुमूल्य जीवन बचाया जा सकता है।

पुलिस अधीक्षक ने बैठक में मौजूद सभी थाना प्रभारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यह योजना मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 162 के तहत उपलब्ध होगी, इसीलिए सभी थाना प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्रों में आमजन को यातायात नियमों की बारे में जागरूक करें तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में चेतावनी संकेत लगाना सुनिश्चित करें। इस मुहिम के तहत सरकार द्वारा पैनल में निर्धारित किए गए शहर सिरसा के करीब 15 प्राइवेट हॉस्पिटल को शामिल किया गया है ताकि समय रहते आसपास के इन हॉस्पिटल में सडक दुर्घटना में घायल व्यक्ति को दाखिल करवाकर गोल्डन ऑवर में उक्त व्यक्ति का प्राथमिक उपचार करवाकर उसका बहुमूल्य जीवन बचाया जा सके। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सरकार द्वारा निर्धारित किए गए पैनल में शहर सिरसा के डीएमसी हॉस्पिटल, केयर हॉस्पिटल, पारस हॉस्पिटल, गिल हॉस्पिटल, नीरज हॉस्पिटल, चौधरी आथोर्पेडिक्स हॉस्पिटल, संजीवनी हॉस्पिटल, शाह सतनाम जी मल्टी स्पैशलिटि हॉस्पिटल, सिटी हेल्थ हॉस्पिटल, सुरक्षा हॉस्पिटल, डॉ. ओपेंद्र आर्थोहिल हॉस्पिटल, होप न्यूरोकेयर सेंटर हॉस्पिटल, देहली न्यूरो एंड स्पाइन सेंटर तथा ट्रामा सेंटर, सिविल हॉस्पिटल सिरसा के नाम शामिल है।

घर में फालतू सामान फेंके नहीं, ट्रिपल आर सेंटर पर दें पुराने कपड़े, प्लास्टिक व बिजली का सामान

हरियाणा वाटिका/नीतीश जोगी

रादौर, 07 मार्च। यदि आपके घर पुराने कपड़े, प्लास्टिक का टूटा फूटा सामान, बिजली का खराब सामान पड़ा है तो उसे फेंके नहीं। उसे नगर पालिका रादौर मे बनाए गए ट्रिपल आर (रिसाइकल, रीयूज व रिड्यूस) सेंटर में दे सकते है। सेंटर में इस बेकार सामान को पुनः इस्तेमाल करने के लिए अन्य सामान तैयार किया जाएगा। इससे जहां पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, वहीं, बेकार वस्तुओं को दोबारा इस्तेमाल के लिए अन्य रूप दिया जाएगा। नगर पालिका के पालिका अभियंता संदीप,शर्मा व सफाई इंस्पेक्टर गोबिन्द शर्मा ने बताया की इस उपयोग न होने के वाली वस्तुओं को नपा कार्यालय पर पहुँचाए इन सभी वस्तुओं को जरूरतमंद लोगों को नपा कर्मचारियों को पहुँचा दिया जाएगा। घर में फालतू सामान फेंके नहीं, ट्रिपल आर सेंटर पर दें पुराने कपड़े, प्लास्टिक व बिजली का सामान

सेंटर पर पुराना सामान व कपड़े देने वालों को दिया जाएगा सम्मानित किया जाएगा ।उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि वे पुराने कपड़ों, प्लास्टिक, बिजली व अन्य सामान को कचरे में न फेंके। इसके अलावा ऐसी वस्तुएं जो हमारे उपयोग की नहीं रही हों पर और कोई दूसरा उपयोग कर सके। ऐसे सामान व वस्तुओं को ट्रिपल आर सेंटर पर दें। ताकि उसका सदुपयोग किया जाए। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के तहत नगर निगम द्वारा ट्रिपल आर सेंटर पर वेस्ट टू एक्सचेंज कार्यक्रम शुरू किया गया है।

नहर में फेंकी बच्ची का शव 7 दिन बाद बरामद

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 07 मार्च। कुरुक्षेत्र में नहर में फेंकी गई 7 वर्षीय आंचल का शव 7 दिन बाद शुक्रवार को करनाल के सांभी के पास से बरामद हो गया। हालांकि आंचल की डेड बॉडी क्षत-विक्षत मिली है, क्योंकि कुत्तों ने उसकी गर्दन व मुंह को नोच लिया, क्योंकि वह कबाड़ में फंसी रही। स्कूल की वर्दी से आंचल की बॉडी की पहचान हुई है। साथ ही उसके 2 अगले दांत टूटे हुए थे, जिससे परिजनों ने उसकी पहचान कर ली। आंचल को उसके पिता ललित ने मिजार्पुर पुल के पास नहर में फेंका था। तलाश के लिए गोताखोर, एसडीआरएफ और पुलिस की टीम ने लगातार आपरेशन चलाया। बता दे कि एक मार्च को गांव खेड़ी रामनगर में रहने वाले ललित ने अपनी सात वर्षीय बच्ची को जिंदा मिजार्पुर-किरमच गांव के बीच नरवाना ब्रांच नहर में फेंक दिया था। पहले पिता बच्ची को रिश्तेदारी में छोड़ने की बात कहता था, मगर मामला पुलिस तक पहुंचा, तो आरोपी पिता ने बच्ची नहर में फेंकने की बात स्वीकार की। बच्ची के पिता ललित ने पत्नी को गुमराह किया कि वह बच्ची को दिल्ली में रिश्तेदार के पास छोड़ आया है। जब आरोपी की पत्नी शांति दिल्ली बच्ची लेने के लिए अपने पति के साथ गई, तो आरोपी शांति को नई दिल्ली के बस अड्डे पर छोड़ कर गायब हो गया।

जिंदल ग्लोबल सिटी में श्रीमद्भागवत कथा शुरू

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 07 मार्च। होली के पावन अवसर पर जिंदल ग्लोबल सिटी के क्लब में श्री गो गीता गायत्री सत्संग सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। संस्थापक अध्यक्ष हरियाणा के प्रसिद्ध भागवत प्रवक्ता कथावाचक अनिल शास्त्री प्रतिदिन सायं 3:30 बजे से 6 बजे तक श्रीमद्भागवत का रस पान करवायेंगे। कथा से पूर्व मनमोहन सिंह छतवाल, ललित चुटानी, बलराज शर्मा, कवर जीत सिंह ने कलश पूजन भागवत पूजन एवं व्यास पूजन किया।तत्पश्चात कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में सेकडो रजनी छतवाल, अल्का, सिजा, अर्चना, मीनाक्षी, निर्मला, रमेश एवं अन्य महिलाएं ने मंगल कलश सिर पर लेकर चली। बैंड बाजे की धुन पर कई महिलाएं व कन्याए भगवान कृष्ण के गीत गाते हुए नृत्य कर रही थीं। एवं कलश यात्रा के कथावाचक अनिल शास्त्री ने कलश यात्रा का महत्व बताते हुए कहा कि कलश सुख-समृद्धि का प्रतीक है। जो लोग कलश यात्रा में चलते हैं सुख-समृद्धि उनका साथ कभी नहीं छोड़ती और परमात्मा की विशेष कृपा के पात्र हो जाते हैं।

स्वच्छता अभियान के तहत अधिकारियों ने किया सार्वजनिक शौचालयों का निरीक्षण

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 07 मार्च। जिला नगर आयुक्त सतेन्द्र सिवाच ने कहा कि थानेसर शहर को स्वच्छ बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत शहर के सार्वजनिक शौचालयों का निरीक्षण किया है। इस निरीक्षण के दौरान जो खामियां पाई गई है उन्हें दुरुस्त करने के आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए है। अहम पहलू यह है कि नगर परिषद के सफाई अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने-अपने अधीनस्थ क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की कमान संभाल ली है। डीएमसी सतेन्द्र सिवाच ने आज यहां बातचीत करते हुए कहा कि नगर परिषद के सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए है कि स्वच्छ सर्वेक्षण में अपने नगर परिषद को शीर्ष पर लाने के लिए अपने अपने क्षेत्रों में साफ सफाई के कार्यों का अवलोकन करे, और उनमें पाए जाने वाली खामियों को दुरुस्त करने का काम करे। शहर में पिपली बस स्टैंड, फ्लाईओवर के पास, नए बस स्टैंड के पास, पुराने बस स्टैंड के पास, किरमिच गेट के पास, थीम पार्क के पास, मल्टी आर्ट बिल्डिंग के पास पर स्थित शौचालयों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि सभी शौचालयों में मूलभूत सुविधाओं के लिए कर्मचारियों को निर्देश दिए और स्थानीय लोगों से अपनी राय देने के लिए स्वच्छतम पोर्टल पर फॉर्म को भरने और सुझाव देने के लिए अपील की। इसके साथ नगर परिषद के अधिकारीगण ने लोगों से घरों के आस पास साफ सफाई के लिए भी अनुरोध किया तथा साथ ही यदि यहां सफाई की कमी मिलती है तो नागरिक अपनी शिकायत दर्ज करवाए। इस शिकायत के बाद उस स्थान की सफाई करवाई जाएगी। इस मौके पर नप ईओ राजेश कुमार ,मुख्य सफाई निरीक्षक जितेन्द्र नरवाल,आईईसी एक्सपर्ट बीरेंद्र कुमार भारद्वाज मौके पर उपस्थित रहे।

83 हजार की धोखाधड़ी करने का आरोपी राजस्थान के जोधपुर क्षेत्र से काबू

हरियाणा वाटिका/रवि कुमार

सिरसा, 07 मार्च। जिला की साइबर थाना पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी के मामले में एक युवक को राजस्थान के जोधपुर क्षेत्र से काबू किया है। साइबर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर दिनकर यादव ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक की पहचान अनुराग पुत्र परमेश्वर निवासी वार्ड नंबर 54 शिव नगर, थाना महामंदिर, जोधपुर राजस्थान के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि सुनीता रानी पत्नी सुभाष चंद्र निवासी एडीसी कॉलोनी सिरसा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीते कुछ दिन पहले उसे एक कॉल प्राप्त हुई कि आप घर बैठे वर्क फ्रॉम होम के जरिए लाखों रुपए कमा सकते है। उन्होंने बताया कि आपको मोबाइल फोन पर आए लिंक को क्लिक करने के बाद टास्क पूरा करना होगा और टास्क पूरा होने के बाद मोटे मुनाफे का बोनस भी मिलेगा। लालच में आकर उनकी वेबसाइट पर पंजीकरण करवा लिया और एक लॉगिन आईडी बनाकर 83 हजार रुपए का इंवेस्टमेंट कर दिया और बाद में पैसा निकालने के लिए वेबसाइट पर आए लिंक को क्लिक किया तो और पैसे डालने की डिमांड की गई। मैने अपनी राशि वापस निकालने का प्रयास किया तो उनकी वेबसाइट बंद हो गई थी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन सिरसा में बीती 12 अक्तूबर 2024 को साइबर ठगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन की विशेष टीम ने महत्वपूर्ण सुराग जुटाते हुए घटना में संलिप्त आरोपी अनुराग को राजस्थान के जोधपुर क्षेत्र से काबू कर उसकी निशानदेही पर दो हजार रुपए व वारदात में प्रयुक्त मोबाइल फोन बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।

संपादक की कलम से

लगी आग की जद में रक्षा खडसे

महाराष्ट्र के जलगांव में केन्द्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे की बेटी के साथ जो हुआ वह दुर्भाग्यजनक तो है, लेकिन उसने प्रसिद्ध शायर राहत इंदौरी साहब के एक लोकप्रिय शेर की याद करा दी जिसमें वे कहते हैं-

'लगेगी आग तो आएंगे घर कई जद में,
यहां पे सिर्फ हमारा मकान थोड़ी है।'

देश भर में, खासकर भारतीय जनता पार्टी शासित प्रदेशों में कानून-व्यवस्था एक बड़ी समस्या बनी हुई है, लेकिन पिछले 11 वर्षों से देश को साम्प्रदायिकता और नफरत फैलाने में ऐसा व्यस्त कर दिया गया है कि बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि के साथ इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर किसी का ध्यान नहीं है; या यों कहें कि जाने नहीं दिया जा रहा। रक्षा खडसे की बेटी अपनी कुछ सहेलियों के साथ शुक्रवार को जलगांव जिले के कोठली गांव में महाशिवरात्रि के अवसर आयोजित होने वाले धार्मिक मेले में घूमने गयी थी, जिसे 'संत मुक्ताई यात्रा' कहा जाता है। वहां कुछ मनचलों ने उनके साथ धक्का-मुक्की और छेड़खानी की। यहां तक कि उनके वीडियो भी बनाये, जबकि उनके साथ यूनिफॉर्म में सुरक्षाकर्मी भी थे। उनके साथ भी धक्का-मुक्की हुई। रक्षा खडसे ने रविवार को स्वयं थाने जाकर इसकी रिपोर्ट लिखाई तब कहीं जाकर पुलिस हरकत में आई और कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया।

यह घटना छोटी लग सकती है लेकिन राहत इंदौरी ने जो इशारा अपने शेर में कर रखा है, वही इस घटना में छिपा हुआ संदेश है। केन्द्र सहित जिन राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं, उनमें अपराधों का ग्राफ बेतरह ऊपर जाने की तस्दीक स्वयं राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो अपने अधिकृत आंकड़ों में करता है। इनमें जघन्य अपराधों के साथ महिलाओं के उत्पीड़न, दुष्कर्म, उनकी हत्याओं जैसे जुर्म शामिल हैं। इसकी ओर जब ध्यान आकृष्ट किया जाता है तो स्थिति सुधारने की बजाये उनका बचाव किया जाता है या फिर उन राज्यों में होने वाले किसी अपराध की ओर उंगली उठा दी जाती है जहां गैर भाजपायी सरकार है। या कह दिया जाता है कि ऐसा भाजपा सरकार को बदनाम करने के लिये किया जा रहा है। यह रूझान भी देखने को मिलता है कि ऐसे अपराधों में हिन्दू-मुस्लिम का एंगल ढूंढा जाता है या फिर यह देखा जाता है कि इसमें कौन भाजपा समर्थक है और कौन गैर-भाजपायी। यदि अपराधी भाजपा से सम्बन्ध रखता है तो उस पर अपराध दर्ज नहीं होगा। उल्टे शिकायतकर्ता या पीड़ित पक्ष को ही लेने के देने पड़ जाते हैं।

इस मामले में सब कुछ अलग है। यहां भाजपा की 'डबल इंजिन' सरकार है। पीड़िता का सम्बन्ध भाजपा से ही है। उल्लेखनीय है कि रक्षा भाजपा के कद्दावर नेता व पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे की बहू हैं। यानी जिसके साथ छेड़छाड़ हुई है वह उनकी पोती है। साथ में महाराष्ट्र सरकार के मुहैया कराये सुरक्षा कर्मचारी भी थे। ऐसे में यदि उसके साथ अपराध होता है तो समझ सकते हैं कि कानून-व्यवस्था का क्या हाल है।

भाजपा वालों के लिये अधिक दिक्कत यह है कि जिसे पकड़ा गया है व जिनकी तलाश है, उनमें उस जमात के लोग नहीं निकले जिनके होने की ख्वाहिश हर भाजपायी, उसके प्रवक्ता, आईटी सेल, और ट्रोल आर्मी करते हैं। अब उनके पास ऐसा कुछ नहीं रह गया कि वे भाजपा का बचाव कर सकें या इस पर किसी समुदाय विशेष, दल अथवा सरकार को घेरा जा सके। घृणा फैलाने या विष-वमन करने की उनकी रही-सही गुंजाइश पर खुद रक्षा खडसे ने यह बयान देकर पानी फेर दिया कि, 'जब मंत्री की बेटी सुरक्षित नहीं है तो आम आदमी के साथ क्या होता होगा?' एकनाथ खडसे ने तो अपनी सरकार को ही यह कहकर घेर लिया कि, 'महाराष्ट्र में अपराध बढ़े हैं और अपराधियों को पुलिस का डर नहीं रहा।' वैसे मुख्यमंत्री देवेन्द्र इसे 'एक राजनीतिक दल से जुड़े लोगों की करतूत' बता रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि यह वही महाराष्ट्र है जिसमें पालघर में दो साधुओं की हत्या के बाद भाजपा ने तत्कालीन उद्धव ठाकरे सरकार को 'हिन्दू विरोधी' करार दिया था। भाजपा द्वारा अपराधों के राजनीतिकरण और दोहरे रवैये की बानगी देश तभी से देख रहा है जब से नरेन्द्र मोदी सरकार केन्द्रीय सत्ता में आई है। हिन्दू वोटों के ध्रुवीकरण के लिये भाजपा ने देश को अपराधों की दुनिया में धकेल दिया है। ऐसा कहना गलत नहीं होगा कि इसका नेतृत्व स्वयं मोदी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह करते हैं। कथित बुलडोजर न्याय वाला उत्तर प्रदेश महिलाओं के खिलाफ अपराधों में अव्वल है। हाथरस, उन्नाव आदि की घटनाओं में पीड़िताएं ही प्रताड़ित हुईं। मणिपुर की वह घटना कौन भूलेगा जिसमें ईसाईयत में विश्वास करने वाले कुकी आदिवासी समुदाय की दो युवतियों के साथ हिन्दू धर्म में आस्था रखने वाले मैतेयी लोगों ने क्या सलूक किया था।

उनके साथ बलात्कार हुआ फिर उनकी नग्न परेड निकाली गयी। लगभग दो साल पहले हुए इस नृशंस मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तो दूर, वहां की सरकार और मोदी-शाह दोनों मौन रहे। यह मामला दुनिया भर में गूंजा था तथा जो बाइडेन के राष्ट्रपति रहते जब मोदी ने अमेरिका की यात्रा की थी, तब उनसे सवाल भी किये गये थे।

यह भी याद रखा जाना चाहिये कि महिला पहलवानों के साथ बदसलूकी करने वाले भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। और तो और, इस बार उनकी कैसरगंज सीट पर उनके पुत्र करण को सांसद बनाया गया।

कठोपनिषद-1

वाजश्रवस की चाहत मिले परलोक में कल्याण,
सर्वमेध यज्ञ में भूमि गौ सारा धन किया दान,
था उसका पुत्र बड़ा ज्ञानवान और वीर नचिकेता,
उसने अपनी आंखों से इस समस्त यज्ञ को देखा,
शक्तिहीन वृद्ध गायों को दक्षिणा रूप किया गया भेंट,
मन में आस्तिक बुद्धि हुई उत्पन्न होने लगी झेंप,
सोचा ऐसे पुण्य परिणाम में सुख नहीं मिलता,
आनंद शून्य लोक प्राप्ति सुखी हृदय नहीं खिलता,
पुत्र को दान में किसको दोगे नचिकेता पिता से बोला,
बार-बार पूछ कर दिल का भेद टटोला,
क्रोध में आकर वाजश्रवस बोले तुझे मृत्यु को देता,
नचिकेता के मन में विचार बना खुद का वेत्ता,
शिष्यों में उत्तम कईयों में मध्यम कौन सा काम होगा पूरा,
मन में विचार किया कई संसार छोड़ कर चले गए अधूरा,
कुछ जा रहे कुछ जाते हुए होते प्रतीत,
उत्पन्न हुई उत्कंठा दिख रहा अतीत,
आदिकाल से घूम रहा चक्र जन्म मरण,
यम के घर पहुंच किया पिता का अनुसरण,
नचिकेता ने तीन दिन तक नहीं मिटाई क्षुधा
यम ने ब्राह्मण अतिथि को देखा भूखा,
अग्नि को शांत करने के चाहिए जैसे जल,
घर में आए अतिथि के जल से धोये पाद सकल,
मंदबुद्धि मूर्ख के घर जब अतिथि आता,
अल्प बुद्धि गृहस्थ उसका सत्कार नहीं कर पाता,
यम की अनुपस्थिति में बिना खाए बीती तीन रातें,
यम ने कह नमस्ते की तीन वर की बातें।

क्रमशः

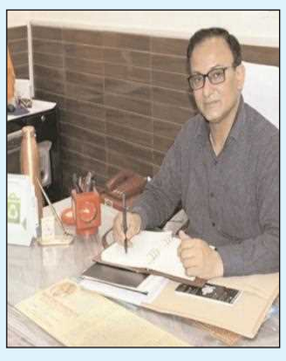

डॉ विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़।

कम नहीं है त्रिभाषा नीति के पालन में आने वाली चुनौतियाँ

-प्रियंका सौरभ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 बहुभाषी शिक्षा को बढ़ाने और भाषाई विविधता की सुरक्षा के उद्देश्य से त्रि-भाषा ढांचा प्रस्तुत करती है। आठवीं अनुसूची में मान्यता प्राप्त 22 आधिकारिक भाषाओं और बोलियों की समृद्ध विविधता के साथ, क्षेत्रीय आवश्यकताओं और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन हासिल करना काफी चुनौतीपूर्ण है। गैर-हिंदी भाषी राज्यों की चिंताएँ कथित भाषाई प्रभुत्व से सम्बंधित मुद्दों और इस नीति को कार्यान्वित करने में व्यावहारिक कठिनाइयों पर जोर देती हैं। त्रि-भाषा नीति का लक्ष्य बहुभाषिकता को प्रोत्साहित करना है, जिससे राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा और भारत का भाषाई परिदृश्य समृद्ध होगा। उदाहरण के लिए, उत्तर भारतीय स्कूलों में तमिल पढ़ाने से सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा मिल सकता है और क्षेत्रीय अंतर को पाटने में मदद मिल सकती है। बहुभाषिकता को अपनाने से न केवल संज्ञानात्मक क्षमताएँ, समस्या समाधान कौशल और रचनात्मकता बढ़ती है, बल्कि समग्र शैक्षणिक सफलता भी बढ़ती है।

अनेक भाषाओं, विशेषकर क्षेत्रीय भाषाओं में दक्षता से सरकारी नौकरियों, अनुवाद और पर्यटन में विभिन्न कैरियर के रास्ते खुलते हैं। इसके अलावा, कूटनीति और बहुराष्ट्रीय निगमों में पदों के लिए बहुभाषी कौशल अक्सर आवश्यक होते हैं। नीति में यह अनिवार्य किया गया है कि सीखी जाने वाली कम से कम दो भाषाएँ भारत की मूल भाषाएँ हों, जिससे देश की भाषाई विरासत और साहित्य का संरक्षण हो सके। भारत की शास्त्रीय और क्षेत्रीय भाषाई परंपराओं को बनाए रखने के लिए संस्कृत, बंगाली, तेलुगु और मराठी जैसी भाषाओं का प्रचार-प्रसार अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। हालाँकि, तमिलनाडु, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य इस नीति को हिन्दी को धीरे-धीरे थोपने की नीति के रूप में देखते हैं। चूंकि शिक्षा एक समवर्ती विषय है, इसलिए केंद्रीकृत भाषा सीखने की नीति लागू करना संघीय सिद्धांतों के लिए चुनौतियाँ उत्पन्न करता है। तमिलनाडु सरकार ने एनईपी 2020 की तीन-भाषा आवश्यकता का पालन नहीं करने का विकल्प चुना है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य के लिए समग्र शिक्षा अभियान के तहत वित्त पोषण में देरी हो रही है।

इसके अतिरिक्त, कई राज्यों को इन अतिरिक्त भाषाओं के लिए योग्य शिक्षकों की कमी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे सरकारी स्कूलों में कार्यान्वयन जटिल हो रहा है। उदाहरण के लिए, ओडिशा और केरल के स्कूलों को सीमित उपलब्धता के कारण हिन्दी शिक्षकों को ढूँढने में संघर्ष करना पड़ रहा है। अतिरिक्त भाषा पाठ्यक्रम शुरू करने से भी छात्रों पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे गणित जैसे आवश्यक विषयों में उनकी दक्षता प्रभावित हो सकती है। क्षेत्रीय दलों का प्रतिरोध भाषा नीतियों को अपनाने में महत्त्वपूर्ण चुनौतियाँ उत्पन्न करता है। गैर-हिंदी भाषी राज्यों में राजनीतिक समूह अक्सर इन नीतियों को अपने स्थानीय शासन में घुसपैठ के रूप में देखते हैं, जिसके परिणामस्वरूप विरोध होता है। कई ग्रामीण छात्रों को दूसरी भाषा सीखने में कठिनाई होती है, जिससे तीसरी भाषा सीखने की प्रक्रिया जटिल हो जाती है। उदाहरण के लिए, ग्रामीण बिहार में 40% छात्रों को अंग्रेजी भाषा सीखने में कठिनाई होती है, जिससे उनकी अन्य भाषाएँ सीखने की क्षमता में बाधा आती है।

राज्य हिन्दी की अपेक्षा अपनी क्षेत्रीय भाषाओं को प्राथमिकता देते हैं, जिससे केंद्रीय नीतियों के साथ उनका सम्बंध टूट जाता है। पश्चिम बंगाल में बंगाली-अंग्रेजी शिक्षा पर अधिक जोर दिया जाता है तथा अनिवार्य हिन्दी शिक्षा को अस्वीकार कर दिया जाता है। सरकारी स्कूलों में, विशेषकर आर्थिक रूप से वंचित राज्यों में, अक्सर भाषा शिक्षकों, संसाधनों और डिजिटल भाषा प्रयोगशालाओं के लिए आवश्यक धन की कमी होती है। पूर्वोत्तर भारत में तीसरी भाषा पढ़ाने के लिए योग्य शिक्षकों की कमी से प्रभावी नीति कार्यान्वयन में बाधा आती है। राज्यों के लिए एक मानकीकृत त्रि-भाषा नीति का पालन करने की बजाय अपनी क्षेत्रीय भाषा चुनने की स्वतंत्रता होना अधिक लाभदायक होगा। उदाहरण के लिए, कर्नाटक सरकार हिन्दी लागू करने के बजाय कन्नड़, अंग्रेजी और विद्यार्थी की पसंद की भाषा पढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर सकती है। शिक्षक प्रशिक्षण को बढ़ावा देना, ई-लर्निंग संसाधनों का विकास करना, तथा भाषा अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करना स्थिति में काफी सुधार ला सकता है।

आंध्र प्रदेश में डिजिटल भाषा प्रयोगशालाएँ पहले से ही प्रौद्योगिकी के माध्यम से स्थानीय भाषा शिक्षा को बढ़ावा देने में प्रगति कर रही हैं। छात्रवृत्ति, कैरियर प्रोत्साहन और व्यावहारिक भाषा प्रशिक्षण की पेशकश से छात्रों को स्वेच्छा से अतिरिक्त भाषाएँ सीखने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। यूजीसी संस्कृत, पाली और फारसी में अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करता है, जिससे भाषाई विविधता को बनाए रखने में मदद मिलती है। केंद्र सरकार को भाषा नीति पर चर्चा में राज्यों को शामिल करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करती है। संयुक्त शिक्षा समिति की स्थापना से राज्यों को कार्यान्वयन प्रक्रिया में अधिक आवाज मिल सकेगी। मूल समस्या, शिक्षा में भाषा मानक और शिक्षण गुणवत्ता में गिरावट। कोचिंग सेंटरों ने विज्ञान और गणित में बढ़त ले ली है, तथा भाषा शिक्षा को पीछे छोड़ दिया है। यद्यपि कई सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय बन गया है, फिर भी प्रवीणता का स्तर निराशाजनक रूप से निम्न बना हुआ है।

शिक्षकों का सीमित अंग्रेजी कौशल सीधे तौर पर छात्रों की पढ़ाई पर प्रभाव डालता है, जैसा कि आंध्र प्रदेश में अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा की ओर बदलाव से स्पष्ट है। हिन्दी के लिए भी स्थिति बहुत बेहतर नहीं है; इस भाषा में शिक्षण स्तर का भी उतना ही अभाव है। हिन्दी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को अक्सर सक्रिय शिक्षण के लिए आवश्यक उपकरण के बजाय मात्र सांस्कृतिक प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इसके अतिरिक्त, पढ़ने की आदतों में गिरावट भाषा शिक्षा के क्षेत्र में अधिक महत्त्वपूर्ण चुनौतियों की ओर इशारा करती है। स्कूलों में पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा नहीं दिया जा रहा है, जिससे अंततः दीर्घकालिक भाषा कौशल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। भारत की विविधता में एकता बनाए रखने के लिए एक समेकित भाषाई ढांचा तैयार करना आवश्यक है। भाषा के चयन में लचीलापन प्रदान करना, शिक्षक प्रशिक्षण को बढ़ाना, तथा क्षेत्रीय भाषा शिक्षा को बढ़ावा देना कार्यान्वयन सम्बंधी बाधाओं को दूर करने में सहायक हो सकता है।

अनुवाद और डिजिटल शिक्षा के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग भाषाई विभाजन को प्रभावी ढंग से पाट सकता है। केंद्र और राज्य के बीच सकारात्मक बातचीत और व्यावहारिक समझौता ही आगे का सबसे अच्छा रास्ता है। आपातकाल के दौरान शिक्षा को समवर्ती सूची में डाल दिया गया, जिसका अर्थ है कि यह एक संयुक्त जिम्मेदारी है। तीसरी भाषा से सम्बंधित विवादों के कारण समग्र शिक्षा, जो एक आवश्यक शिक्षा पहल है, के वित्तपोषण में बाधा नहीं आनी चाहिए।

अपनी कला के जरिये संस्कृति को बचाने की कोशिश में लगे मास्टर छोटूराम।

--डॉ. सत्यवान सौरभ

प्राचीन समय से ही इंसान का विभिन्न कलाओं के प्रति अटूट रिश्ता रहा है। कभी कलाकारों के फन ने तो कभी कलाओं के मुरीद लोगों ने इस जमाने में नए-नए रंग बिखेरे है। ये माना जाता है कि आत्मा की तरह कला अजर-अमर है, ये एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक हस्तांतरित होती है और नया रूप लेती है। आज कला के रूप बदरंग हो गए है। कलाकार अपने उद्देश्यों से भटक गए है और पैसों के पीछे दौड़ पड़े है जो एक तरह कला को बेचने जैसा है। आज कला के नाम पर परोसी जा रही अश्लीलता समाज को लील रही है। मगर इन सबके बीच आज भी देश में कुछ ऐसे कलाकार है जो भारत की प्राचीन सभ्यता को नए रंग देकर उन आदर्श और मूल्यों को बचाने की कोशिश में लगे है। जी हाँ, उनमे से एक है हरियाणा के भिवानी जिले के कस्बे सिवानी के गाँव बड़वा की माटी में जन्मे मास्टर छोटूराम। किसान परिवार में जन्मे मास्टर छोटूराम का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। इनके पिता स्वर्गीय रिछपाल गैदर एक किसान थे जिनसे इनको संघर्ष करने और धैर्य रख आगे बढ़ने की सीख मिली। छोटी उम्र में पिता का साया उठने के बाद भी ये अपनी पढाई को जारी रखते हुए शिक्षा और कला के क्षेत्र में आगे बढ़ते गए। पिछले चार-पांच दशकों से मास्टर छोटूराम अपने लिखे गीतों के जरिये समाज को भारत की प्राचीन संस्कृति से जोड़ने का अतुल्य प्रयास कर रहे है। पेशे से सरकारी अध्यापक मास्टर छोटूराम एक आशु कवि और हरियाणवी-हिंदी के जाने माने गायक है। देश भर में हजारों स्टेज कार्यक्रम दे चुके मास्टर छोटूराम हमारे देश के वीर-शहीदों; शहीद भगतसिंह, सुभाष चद्र बोस, लाल बहादुर शास्त्री, शहीद उद्यम सिंह के साथ-साथ अन्य सपूतों की जीवनी को जब अपने गीतों और किस्सों के माध्यम से स्टेज पर प्रस्तुत करते है तो देशभक्ति की रसधार बहने लगती है। लोगों को आज के अश्लील दौर में एक सभ्य और जीवन मूल्यों से भरे गीतों को सुनने का सुनहरा अवसर मिलता है।

इन सबके अलावा मास्टर छोटूराम यू ट्यूब एवं सोशल मीडिया के जरिये भारत की प्राचीन संस्कृति से जुड़े किस्सों को वीडियो और ऑडियो रूप में फ्री में शेयर करते है, ताकि प्राचीन संस्कृति को बचाया जा सके। हरियाणवी संस्कृति के विभिन्न रंगों को इन्होने अपनी रागनियों और नाटकों में बखूबी पिरोया है और लोगों के मनों तक पहुँचाया है। देश भर में आकाशवाणी एवं टीवी पर समय-समय पर इनके ये कार्यक्रम देखे ठ सुने जा सकते है। गायक कवि कलाकार मास्टर छोटूराम अपने सिद्धांतों और कला से किसी भी क ीमत पर समझौता नहीं करते। आज जब नग्न संस्कृति गीतों और किस्सों में हावी है। तब भी इन्होने अपने मूल्यों को बनाये रखा और हमारे ऐतिहासिक और पौराणिक किस्सों को जेब से पैसे लगाकर रिलीज करवाया है। बेशक आज के तड़क भड़क वाले अश्लील वीडियो की तुलना में उनको कम शेयर किया गया है लेकिन वास्तव में उन्होंने हमारी धरोहर को सहेजने कि दिशा में अपना अमूल्य योगदान दिया है। पितृभक्त श्रवण कुमार-कुमार और फैशन की फटकार इनके पहले दो ऑडियो एल्बम है जिनको लोग आज बीस साल बाद भी सुन रहे है और सोशल मीडिया पर शेयर कर रहें है। 'कड़े गए वह नाथू-सुरजा' हरियाणा की बदलती संस्कृति पर फिल्माया गया उनका सुपर हिट गीत है जिसको बहुत पसंद और शेयर किया गया है। ऐसतिहासिक 'नरसी का भात' किस्सा दर्शकों को पूरी रात भर सुनने को मजबूर कर देता है। वास्तव में अपनी प्राचीन कला को बनाये रखना बहुत बड़ी बात है। आज के दौर में युवा पीढ़ी यू ट्यूब और अन्य सोशल प्लेटफार्म पर घटिया स्तर के वीडियोस और ऑडियो को पसंद करती नजर आ रही है।

ऐसे में मास्टर छोटूराम के सामाजिक गीतों के प्रयास बड़ी छाप छोड़ रहें है। मीडिया को ऐसे कलाकारों के प्रयासों को जोर-शोर से प्रचारित-प्रसारित करना चाहिए।ताकि हमारे प्राचीन मूल्यों को आज की इस शोषणकारी और अश्लील संस्कृति से दूर रखा जा सके।

आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के वेतन का मुद्दा फिर गरमाया

- डॉ. ज्ञान पाठक

स्वास्थ्य मानव संसाधन से संबंधित सभी प्रशासनिक और कार्मिक मामले संबंधित राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों के पास हैं। आशा द्वारा किये गये विरोध प्रदर्शनों के विवरण पर राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर राज्य स्तरीय बैठकों/राष्ट्रीय कार्यक्रम समन्वय समिति की बैठकों में चर्चा की गयी है, केन्द्र ने संसद को दिये जवाब में स्वीकार किया।

मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकताओं (आशा) और आंगनवाड़ी कार्यकताओं को वेतन देने का मुद्दा फिर गरमाया है। केंद्रीय बजट 2025-26 में न तो उन्हें कर्मचारी का दर्जा देने का वायदा किया गया है, जिससे उन्हें न्यूनतम वेतन भी नहीं मिल पा रहा है, और न ही उन्हें स्वयंसेवक के तौर पर दिये जा रहे मानदेय और प्रोत्साहन राशि में कोई बढ़ोतरी की गयी है। आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता जितना काम और समय दे रही हैं, उसके बदले उन्हें कोई उचित वेतन नहीं मिल रहा है और इस तरह उनका शोषण जारी है। आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पिछले कई सालों से कर्मचारी या कामगार का दर्जा और उचित वेतन की मांग को लेकर आंदोलन कर रही हैं, लेकिन केंद्र सरकार उन्हें दोनों ही देने से इनकार कर रही है। दूसरी ओर राज्य सरकारों का कहना है कि वे केंद्रीय योजना कर्मी हैं और इसलिए केंद्र सरकार को उनकी मांग पर फैसला लेना है। राज्य गेंद केंद्र के पाले में फेंक देते हैं और केंद्र कहता है कि राज्य उनका मानदेय और प्रोत्साहन बढ़ा सकते हैं।हाल ही में केरल सरकार का उदाहरण लें, जहां आशा कार्यकर्ता वर्तमान में सचिवालय के सामने प्रदर्शन कर रही हैं। हालांकि राज्य सरकार ने आशा कार्यकर्ताओं के मानदेय और प्रोत्साहन का पूरा बकाया जारी कर दिया है, लेकिन राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने यह कहते हुए इस मुद्दे से अपना पल्ला झाड़ लिया। कि आशा कार्यकर्ताओं के लिए क्या सही है, यह केंद्र पर निर्भर करता है। यहां तक कि सीआईटीयू के नेतृत्व वाली आशा कार्यकर्ता फेडरेशन ने भी कहा है कि राज्य सरकार नहीं, बल्कि केंद्र उन्हें उनका हक नहीं दे रहा है।केरल के कुछ जिलों में मौजूदा हड़ताल का नेतृत्व कर रही आंदोलनकारी आशा स्वास्थ्य कार्यकर्ता संघ ने संकल्प लिया है कि वे अपना आंदोलन और तेज करेंगे और तब तक लड़ते रहेंगे जब तक कि सरकार उनके मासिक मानदेय को 7,000 रुपये से बढ़ाकर 21,000 रुपये करने और 5 लाख रुपये के सेवानिवृत्ति लाभ की मांग को स्वीकार नहीं कर लेती।

हाल ही में, पूर्व केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री और भाजपा नेता वी मुरलीधरन, जिन्होंने आंदोलनरत आशा कार्यकर्ताओं से बात की थी, ने यह कहने की हिम्मत की कि राज्य को आशा कार्यकर्ताओं की नियमित कार्यबल के रूप में रोजगार की स्थिति बदलने और उन्हें नियमित वेतन और लाभ देने का पूरा अधिकार है। फिर सवाल यह है कि केंद्र में उनकी पार्टी भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को ऐसा क्यों नहीं करना चाहिए?

हाल ही में दिल्ली में चुनाव प्रचार के दौरान आशा और आंगनवाड़ी कार्यकताओं को कार्यकर्ता का दर्जा और उचित वेतन देने का मुद्दा उठाया गया था। दिल्ली में अकुशल श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन 18,066 रुपये प्रति माह है। दिल्ली में आशा और आंगनवाड़ी कार्यकताओं को न्यूनतम वेतन से बहुत कम मानदेय मिल रहा है।

राज्य जो कर रहे हैं, वह दिखावा मात्र है। इसका ताजा उदाहरण पश्चिम बंगाल से लिया जा सकता है, जहां सरकार ने आशा कार्यकताओं को मोबाइल फोन देने की घोषणा की है, ताकि वे समय पर डेटा फीड कर सकें। हालांकि, इसके आधार पर आशा और आंगनवाड़ी कार्यकताओं के अभी भी जारी शोषण को उचित नहीं ठहराया जा सकता।

केन्द्र द्वारा राज्य सभा दिये गये जवाब में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने अगस्त 2024 में आशा कार्यकताओं को सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेवक माना था और उन्हें कार्य और गतिविधि आधारित प्रोत्साहनों का हकदार माना था। आशा कार्यकताओं को नियमित और आवर्ती गतिविधियों के लिए 2000 रुपये प्रति माह का एक निश्चित मासिक प्रोत्साहन मिलता है। इसके अतिरिक्त, उन्हें विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के तहत विभिन्न गतिविधियों के लिए प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन प्रदान किये जाते हैं। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को अपने कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) में आशा कार्यकताओं को कई तरह के मौद्रिक प्रोत्साहन प्रदान करने का लचीलापन भी दिया गया है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर के संचालन के साथ आयुष्मान भारत योजना के शुभारंभ के बाद, आशा कार्यकर्ता अब निगरानी किये गये प्रदर्शन संकेतकों (प्रति माह 1000 रुपये तक) के आधार पर एएनएम के साथ टीम आधारित प्रोत्साहन (टीबीआई) के लिए भी पात्र हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत, भारत सरकार राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को उनके समग्र संसाधन लिफाफे के भीतर, उनके कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के माध्यम से उनकी आवश्यकताओं के आधार पर, उनकी स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करती है।

यह ध्यान देने योग्य है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसका केंद्र-राज्य के बीच वित्त पोषण पैटर्न 8 पूर्वोत्तर राज्यों और 3 हिमालयी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों (हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश) को छोड़कर सभी राज्यों के लिए 60:40 है। हिमाचल, उत्तराखंड, तथा जम्मू और कश्मीर, में वित्त पोषण पैटर्न 90:10 है। बिना विधानमंडल वाले केंद्र शासित प्रदेशों में यह योजना 100प्रतिशत केंद्र द्वारा वित्त पोषित है। स्वास्थ्य मानव संसाधन से संबंधित सभी प्रशासनिक और कार्मिक मामले संबंधित राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों के पास हैं। आशा द्वारा किये गये विरोध प्रदर्शनों के विवरण पर राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर राज्य स्तरीय बैठकों/राष्ट्रीय कार्यक्रम समन्वय समिति की बैठकों में चर्चा की गयी है, केन्द्र ने संसद को दिये जवाब में स्वीकार किया। हालांकि, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकताओं द्वारा विरोध प्रदर्शनों के बावजूद केंद्र ने अभी तक उचित निर्णय नहीं लिया है।

आशा और आंगनवाड़ी कार्यकताओं को दिये जाने वाले कुल मानदेय और प्रोत्साहन में भी राज्यवार बहुत अंतर है, क्योंकि राज्य प्रति आशा कार्यकर्ता 500 रुपये से 10,000 रुपये तक का फंड प्रदान करते हैं।

राजधानी फूड्स लेकर आया है होली सेलिब्रेशन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

करनाल, 07 मार्च। होली सिर्फ. रंगों का त्योहार नहीं है, यह स्वाद, हंसी और उन परंपराओं का संगम है जो परिवारों को करीब लाती हैं। राजधानी फूड्स इस होली को और भी खास बना रहा है साल की सबसे अनोखी और स्वाद से भरपूर साझेदारी के साथ जहां बॉलीवुड के सुपरस्टार करण जौहर और जेन जेड की फेवरेट अनन्या पांडे मिलकर बना रहे हैं एक ऐसा कैंपेन, जो होगा उतना ही स्वादिष्ट जितना कि एक परफेक्ट पकोड़ा।

जैसे-जैसे होली नजदीक आती है, हर घर का किचन रंग-बिरंगे पकवानों की खुशबू से भर जाता है। लेकिन अगर कोई एक डिश है जो हर भारतीय परिवार को जोड़ती है, तो वह है पकोड़ेकृगर्मागर्म, कुरकुरे और यादों से भरपूर। फिर चाहे रंगों की मस्ती के बाद ठंडाई के साथ हों या परिवार के साथ खास स्नैक के तौर पर, एकदम सही बेसन ही असली स्वाद का राज होता है। और राजधानी बेसन दशकों से पकोड़ों के इस परफेक्ट क्रंच का राज बना हुआ है।

1966 से, राजधानी फूड्स भारतीय रसोई का अभिन्न हिस्सा रहा है, जो अपने बेहतरीन गुणवत्ता वाले उत्पादों से त्योहारों के स्वाद को और खास बनाता आया है। फिर चाहे वह कुरकुरे पकोड़े हों, मुँह में घुल जाने वाले बेसन के लड्डू, या फिर सत्तू और मखाने की पौष्टिकताकृराजधानी का हर उत्पाद स्वाद और सेहत का संगम है।

राजधानी फूड्स के मैनेजिंग डायरेक्टर चेतन जैन ने कहा कि कि होली एक ऐसा त्योहार है जो हमें एक साथ लाता है खाने, हंसी और खुशियों के माध्यम से। करण जौहर और अनन्या पांडे के साथ इस बार हम होली के जश्न को और भी मजेदार, रंगीन और लाजवाब बना रहे हैं! यह कैंपेन उन स्वादों को समर्पित है, जो हमारी परंपराओं और पीढ़ियों को जोड़ते हैं।

जरा सोचिए करण जौहर एक फिल्म सीन डायरेक्ट कर रहे हैं, तभी भूख लगती है। वह शूटिंग रोकने का ऐलान करते हैंकृलेकिन सिर्फ.तब, जब उन्हें पकोड़े मिलें! अनन्या तुरंत चुटकी लेते हुए कहती हैं, पर बारिश कहां है? पकोड़े का असली मजा तो बारिश में ही आता है! और फिर करण अपने क्लासिक अंदाज में सेट पर ही नकली बारिश करवा देते हैं। नतीजा? दोनों मिलकर राजधनी बेसन से बने गरमा-गरम, कुरकुरे पकोड़ों का आनंद लेते हैं, यह साबित करते हुए कि होली हो या कोई भी त्योहार, एकदम क्रिस्पी पकोड़ों का कोई मुकाबला नहीं!

हरियाणा में फर्टिलिटी केयर को आगे बढ़ाते हुए, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ के रेवाड़ी सेंटर ने सेलिब्रेट किये दो सफल साल

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

रेवाड़ी, 07 मार्च। बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ के रेवाड़ी सेंटर ने हरियाणा में एडवांस्ड फर्टिलिटी केयर देने के दो सफल वर्ष पूरे किए हैं। पिछले दो वर्षों में, रेवाड़ी सेंटर ने बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को हाई क्वालिटी फर्टिलिटी ट्रीटमेंट्स आसानी से प्राप्त करने में मदद की है। बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ रेवाड़ी सेंटर लेगों की जरूरतों के अनुसार क्लीनिकल तौर पर प्रमाणित सॉल्यूशंस प्रदान करता है ताकि वे संतान सुख प्राप्त कर सकें। बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, भारत का तीसरा सबसे बड़ा आईवीएफ नेटवर्क है और 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर वाले सी के बिरला ग्रुप का हिस्सा है। इस उपलब्धि के जश्न के मौके पर, सेंटर ने एक स्पेशल कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें सेंटर में ट्रीटमेंट्स के माध्यम से पेरेंट्स बने परिवार फिर से मिलें। सभी ने माता-पिता बनने में रेवाड़ी सेंटर के सफल सहयोग को खुले दिल से सराहा। इस कार्यक्रम में बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ की बेहतरीन क्लीनिकल एक्सीलेंस, पेशेंट-केंद्रित केयर और क्षेत्र में फर्टिलिटी सर्विसेज के विस्तार के प्रति समर्पण को भी व्यक्त किया।2023 में अपनी स्थापना के बाद से, रेवाड़ी सेंटर आईवीएफ और आईयूआई सहित एडवांस्ड फर्टिलिटी ट्रीटमेंट्स की एक विस्तृत सीरीज की पेशकश कर रहा है। यह फर्टिलिटी को लेकर अलग-अलग चुनौतियों का सामना कर रहे रेवाड़ी और आस-पास के क्षेत्रों के दंपत्तियों के लिए हाई-क्वालिटी, प्रमाणों पर आधारित केयर सुनिश्चित करता है।हरियाणा में रेवाड़ी सेंटर की सफलता को लेकर बात करते हुए, अभिषेक अग्रवाल, सीईओ, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ ने बताया कि ह्लहमारे रेवाड़ी सेंटर की दूसरी वर्षगांठ भारत में फर्टिलिटी केयर को नए सिरे से उपलब्ध करवाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इनफर्टिलिटी लाखों लोगों को प्रभावित करता है, फिर भी एडवांस्ड, व्यक्तिगत और किफायती इलाज तक आसान पहुंच एक चुनौती बनी हुई है। पिछले दो वर्षों में, रेवाड़ी में हमारे सेंटर ने न केवल विश्वसनीय क्लीनिकल परिणाम दिए हैं, बल्कि फर्टिलिटी केयर चाहने वाले परिवारों के बीच विश्वास भी बनाया है। जैसे-जैसे हम अपने फुटप्रिंट का विस्तार करना जारी रखते हैं, हम अधिक से अधिक जरूरतमंदों को इनोवेटिव, विश्व स्तरीय विशेषज्ञता और हाई-क्वालिटी वाली फर्टिलिटी केयर आसानी से उपलब्ध करवा रहे हैं। हम चाहते हें कि मां-बाप बनने में दिक्कतों का सामना कर रहे लोगों को खास तौर पर उनके लिए तैयार किए उपचार समाधान मिल सकें।ह्वरेवाड़ी सेंटर ने पिछले दो वर्षों में कई सफलता की कहानियां देखी हैं, लेकिन सबसे दिलचस्प कहानी एक दंपत्ति की है, जो 12 वर्षों से विवाहित थे। यह कई अन्य दिक्कतों के अलावा, अधिक उम्र में मां बनने की समस्या, टेराटोजोस्पर्मिया का मामला था। महिला के ओवरियन रिजर्व कम मात्रा में थे और वह लगातार पांच बार गर्भवती होने के बावजूद भी माँ बनने में असफल रही। वे पहले ही अन्य सेंटर्स पर दो असफल आईवीएफ प्रयासों से गुजर चुके थी । पति को भी टेराटोजोस्पर्मिया था, जो स्पर्म की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाली स्थिति है, जिससे गर्भधारण की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं।जब वे बिरला फर्टिलिटी और आईवीएफ के रेवाड़ी सेंटर में आए, तो वे वर्षों से कोशिश कर रहे थे और भावनात्मक रूप से थक चुके थे। काफी विस्तार से जांच और टेस्टों के बाद, डॉक्टरों ने उनकी मेडिकल हिस्टरी और पिछले अनुभवों के आधार पर एक ट्रीटमेंट प्लान बनाया और दम्पति ने एक और आईवीएफ साइक्ल के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया।आईवीएफ उनके अपने एग्स और स्पर्म से किया गया था, और तैयार एम्ब्र्यो को प्रीइंप्लांटेशन जेनेटिक टेस्टिंग फॉर एनेप्लोइडी (पीजीटी-ए) के जरिए रखा गया था। यूप्लोइड एम्ब्र्यो को फ्रोजन एम्ब्रियो ट्रांसफर (एफईटी) साइक्ल में ट्रांसफर किया गया, जिसके बाद पहले प्रयास में ही गर्भधारण हो गया। महीनों बाद, दंपति को एक सुंदर बच्चा मिला - एक ऐसा पल जिसकी उन्होंने सालों से कल्पना की थी। उनका ये सफर दशार्ता है कि सही मेडिकल विशेषज्ञता, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और व्यक्तिगत दृष्टिकोण जटिल मामलों में भी माता-पिता बनना संभव बना सकता है। उनकी कहानी एक रिमाइंडर है कि सही मेडिकल केयर और व्यक्तिगत दृष्टिकोण के साथ, सबसे मुश्किल मामलों का भी सुखद अंत हो सकता है।

गन्नौर में बागवानी की खेती करने पर पॉच हजार रुपएं प्रति एकड़ पर दी जा रही है अतिरिक्त अनुदान राशि : उपायुक्त

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

सोनीपत, 07 मार्च। उपायुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अंतर्गति ब्लॉक गन्नौर में बागवानी (जैसे फल, सब्जी, फूल, खुशबूदार पौधे एरौमेटिक) की खेती करने वाले किसानों को अधिकतम पॉच एकड तक विभागीय अनुदान के अतिरिक्त 5 पॉच रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से अनुदान दिया जा रहा है। जिसके लिए किसान को मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर बागवानी फसल का पंजीकरण अनिवार्य है।

उन्होनें बताया कि इस समय हरियाणा सरकार द्वारा बागवानी खेती को बढ़ावा देने हेतु बागवानी खेती करने वाले किसानों को विभिन्न मदों में अनुदान राशि प्रदान की जा रही है। जिसके अर्न्तगत यदि कोई किसान गन्नौर में बागवानी खेती करता है। तो उसको 5 हजार रुपए प्रति एकड़ की अतिरिक्त अनुदान राशि प्रदान की जा रही है ताकि किसान अधिक से अधिक बागवानी खेती करके अपनी आय बढ़ा सकें। सरकार द्वारा चलाई जा रही इल स्कीमों से छोटे किसानों की आय भी अच्छी खासी वृद्धि हुई है।

बच्चों को नहर से निकालने वाली महिलाओं को किया डीसी ने सम्मानित

कहा: महिलाएं किसी क्षेत्र में कम नहीं, बच्चों को बचाकर तीनों महिलाओं ने दिया अद्भुत साहस का परिचय

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार

कैथल, 07 मार्च। डीसी प्रीति ने गत माह एक स्कूल बस के हांसी-बुटाना नहर में गिरने के हादसे में बच्चों को नहर से निकालने वाली तीन महिलाओं को महिला दिवस के उपलक्ष्य में सम्मानित किया। उन्हें प्रशस्ति पत्र व एक कंबल देकर प्रोत्साहित किया। डीसी ने तीनों महिलाओं की सराहना की।

डीसी ने तीन महिलाओं का आभार जताते हुए कहा कि बच्चों को बचाने में महिला होते हुए उन्होंने जो हिम्मत दिखाई है, वह काबिले तारीफ है। संकट के समय बच्चों को मदद मिलने पर उन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सका। इसके अलावा उन सभी लोगों के कार्य सराहनीय हैं, जिन्होंने उस समय बच्चों की मदद की थी। आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। समाज में सभी की जिम्मेवारी होती है कि जरूरत के समय एक दूसरे की मदद करें। संकट के समय बच्चों को बचाकर अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणादायक काम किया है। इसके लिए जिला प्रशासन तीनों का आभार प्रकट करता है।

डीसी ने गांव नौच निवासी मुकेश पत्नी सुरेंद्र, मोनिका पत्नी नरेंद्र व सुरेंद्र पत्नी राजेंद्र को प्रशंसा पत्र व कंबल देकर बहादुरी के इस कार्य के लिए सम्मानित किया। तीनों महिलाओं ने कहा कि हादसे के समय उन्हें जो समझ में आया, वह किया। बच्चे सभी को प्यारे होते हैं। इसीलिए वे नहर में उतर गई थीं। उन्हें खुशी है कि उनके प्रयास से बच्चों को मदद मिली। तीनों महिलाओं व उनके साथ आए परिजनों ने जिला प्रशासन का हौसला अफजाही के लिए आभार जताया। वहीं गांव के लोगों ने नहर पुल के आस-पास लाइटें व डेरे की ओर जाने वाली गली पक्का करने की मांग की। डीसी ने उनकी मांग को नियमानुसार जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया।

विदित रहे कि 17 फरवरी को गांव नौच के निकट डेरे से स्कूली बच्चों को लेकर जा रही बस संतुलन खोकर हांसी बुटाना लिंक नहर में जा गिरी थी। उसमें सात बच्चों को चोटें आई थीं। आस-पास के लोगों सहित पास के ही डेरे में रह रही ये तीनों महिलाएं भी नहर में कूद पड़ीं थीं और बच्चों को बाहर निकालने में मदद की थी। डीसी प्रीति ने महिला दिवस के अवसर पर तीनों महिलाओं को सम्मानित करने की घोषणा की थी। उसी अनुसार महिला दिवस के उपलक्ष्य में तीनों को शुक्रवार को डीसी द्वारा सम्मानित किया गया।

रात्रि ठहराव कार्यक्रम में एसडीएम ने अधिकारियों के साथ गांव कुड़ल में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

हर पात्र व्यक्ति को मिलेगा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ: एसडीएम मनोज दलाल

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 07 मार्च। मुख्यमंत्री नायब सिंह के निदेशानुसार गांव कुड़ल में रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान एसडीएम मनोज दलाल ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और उनका समाधान किया। ग्रामीणों की समस्या सुनते हुए एसडीएम मनोज दलाल ने कहा कि सरकार के निदेशानुसार जिला के साथ साथ उपमंडल स्तर पर भी समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें नागरिकों की समस्याएं सुनी जा रही हैं और उनका समाधान किया जा रहा है। समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जाता है और जो समस्याएं मुख्यालय से संबंधित होती हैं, उनको सरकार के पास भेजा जाता है।

उन्होंने कहा कि प्रशासन हर समय नागरिकों की समस्याएं सुनने और उनका समाधान करने के लिए तत्पर है। किसी भी नागरिक की किसी भी विभाग से संबंधित यदि कोई समस्या है तो वह बिना किसी हिचक के प्रशासन के समक्ष रखें, उनका समयबद्ध ढंग से समाधान किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने ग्रामीणों का आह्वान किया कि वे गांव के विकास में अपना योगदान दें। गांव के विकास में प्रत्येक नागरिक की भूमिका होनी चाहिए। गांव के विकास में अपना कुछ न कुछ योगदान जरूर करें। उन्होंने कहा कि गांव की साफ-सफाई रखना हमारे हाथ में है। अपने आसपास परिवेश में गंदगी का आलम न बनने दें। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद पात्र लोगों के कल्याण के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार की अनेक कल्याणकारी योजनाएं हैं, जिनका लाभ जरूरतमंद लोगों को लेना चाहिए। योजना की जानकारी लेने के लिए वे संबंधित विभाग के अधिकारियों से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि आजकल सभी योजनाएं परिवार पहचान पत्र के साथ में जुड़ी हुई हैं। सरकार द्वारा सभी जरूरी सेवाएं ऑनलाइन की गई हैं, सरकार का उद्देश्य है कि पारदर्शिता के साथ जरूरतमंद और पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि जनता से सीधे रूप से जुड़े सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हुए हैं कि वे नागरिकों के समस्त योजनाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की परेशानी न आने दें। एसडीएम ने एक-एक करके ग्रामीणों की शिकायत अथवा मांग के आधार पर संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही दिशा निर्देश जारी किए गए। इस अवसर पर नायब तहसीलदार, बीडीपीओ धर्मपाल, सीईपीओ दीपक शर्मा, श्याम सुंदर सांगवान, ग्राम सचिव, सरपंच सुनीता व पंचों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

प्राचीन काल में विश्व के युवा अध्यात्म और संस्कृति की शिक्षा ग्रहण करने आते थे भारत: एसडीएम मनोज दलाल

भारतीय संस्कृति को संजोग कर रखना हमारा नैतिक दायित्व है: एसडीएम

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 07 मार्च। संस्कृति मंत्रालय के उत्तर मध्य क्षेत्र संस्कृति केंद्र प्रयागराज व जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को लोहारू की अनाज मंडी में सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे एसडीएम मनोज दलाल ने कहा कि प्राचीन काल में विश्व के युवा अध्यात्म और संस्कृति की शिक्षा लेने के लिए भारत में आया करते थे। सभ्यता, संस्कृति और अध्यात्म की शिक्षा के लिए नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय युवाओं को शिक्षा देते थे। उन्होंने कहा कि भारतवर्ष की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षण एवं संवर्धन प्रदान करने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश ,राजस्थान ,छत्तीसगढ़, असम ,हरियाणा आदि प्रदेशों के कलाकारों द्वारा एक से बढकर एक बेहतरीन प्रस्तुति दी गई। एसडीएम मनोज दलाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति अति प्राचीन एवं महान है। ये हमारी धरोहर है, इसे संजोग कर रखना हमारा नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि युवाओं को भारतीय संस्कृति से संस्कार ग्रहण करने चाहिए और जीवन में एक अच्छा नागरिक बनना चाहिए। एसडीएम ने कहा कि युवाओं को हमारी संस्कृति से प्रेरणा ग्रहण करनी चाहिए। बड़े बुजुर्गों, माता-पिता और गुरु का सम्मान करना चाहिए। यही हमारी संस्कृति का सार है। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश सागर से आए कपिल दुबे की टीम ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। राजस्थान के बाराबंकी के कलाकारों ने चाकरी और घूमर नृत्य और पौड़ी गढ़वाल उत्तराखंड से आए कलाकारों ने चौमासा नृत्य प्रस्तुत किया ।वहीं असम के कलाकारों ने बिहू नृत्य, सागर के कलाकारों ने बढ़ाई नृत्य तथा छत्तीसगढ़ के कलाकारों ने सुआ नृत्य प्रस्तुत किया। मोहित और उसकी टीम ने काली स्वांग प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में गोहाना से आए नरेन संगी व पूनम ने रागनी प्रस्तुत कर दर्शकों का मनोरंजन किया। इस अवसर पर श्याम सुंदर सांगवान सहित लोहारू के अनेक गणमान्य नागरिक व दर्शक उपस्थित रहे।

पार्कों के रखरखाव को लेकर मॉडल टाउन रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन मिली नपा सचिव से।

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 07 मार्च। मॉडल टाऊन रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन का शिष्टमंडल प्रधान सतपाल मंगला के नेतृत्व में मॉडल टाउन के पार्कों के रखरखाव को लेकर नगरपालिका सचिव शुभम् बादल से मिला। मॉडल टाऊन रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान सतपाल मंगला,विनोद जैन,रामकुमार मेहता,टीटू मेहता,भूपेंद्र सिंह,राजकुमार ने बताया कि एसोएिसशन को शहर के चार पार्कों के रखरखाव का जिम्मा दिया गया है, जिसमें तीन पार्क मॉडल टाउन के हैं जबकि एक पार्क शहर का है। रतिया मॉडल टाऊन में कुल पांच पार्क स्थित है, मॉडल टाऊन की बाकी दो पार्कों का जिम्मा किसी अन्य संस्था को दिया गया है। उन्होंने बताया कि रतिया मॉडल टाऊन रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन का उद्देश्य मॉडल टाऊन के निवासियों के वेलफेयर के लिए काम करना है।

इस उद्देश्य के साथ वे मॉडल टाऊन की पार्कों के रखरखाव का काम संभालते हैं। मॉडल टाऊन के एरिया से बाहर की पार्कों को संभालना उनके नियमों में नहीं है। मॉडल टाऊन की दो अन्य पार्कों का रखरखाव का काम अन्य संस्था को दिया गया है। वे मॉडल टाऊन की पार्कों को संभालने के लिए तैयार हैं और हमें अनुभव भी है,तो मॉडल टाऊन के पार्क को किसी अन्य संस्था को देना तर्कसंगत नहीं है।

उन्होंने सचिव से मांग करते हुए कहा कि मॉडल टाऊन की पांचों पार्को पार्क नंबर 1 से पार्क नंबर 5 तक का रखरखाव का जिम्मा रतिया मॉडल टाऊन रेजिडेंस वेलफेयर एसोसिएशन को दिया जाए। इस मौके पर सफाई निरीक्षक औंकार भी मौजूद थे।

राजकीय बहुतकनीकी संस्थान परिसर में आयोजित साक्षात्कार में 29 विद्यार्थियों का हुआ चयन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 07 जनवरी। स्थानीय रानी झांसी लक्ष्मी बाई राजकीय बहुतकनीकी संस्थान कैंपस में एटीएल बैटरी टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा साक्षात्कार का आयोजन किया गया। साक्षात्कार में संस्थान के 29 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। संस्थान की प्राचार्या अंशु भल्ला ने चयनित छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उल्लेखनीय है कि एटीएल बैटरी टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड बावल के अधिकारियों की ओर से रानी झांसी लक्ष्मी बाई राजकीय बहुतकनीकी संस्थान में मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन विभाग के छात्रों के लिए कैंपस साक्षात्कार का आयोजन किया गया। इसमें कंपनी के अधिकारियों की ओर से पहले छात्रों की लिखित परीक्षा ली गई जिसमें लोहारू व भिवानी के लगभग 100 छात्रों ने भाग लिया। साक्षात्कार के आधार पर लोहारू संस्थान के 29 छात्रों का चयन किया गया। संस्था के ट्रेनिंग व प्लेसमेंट अधिकारी विपिन यादव ने बताया कि निकट भविष्य में और भी कैंपस प्लेसमेंट होंगे और पिछले वर्ष की तरह इस बार भी शत-प्रतिशत छात्रों को कंपनी में कार्य करने का मौका मिलेगा।

महिलाओं की सुरक्षा को लेकर जिला पुलिस डायल 112 पूरी तरह से मुस्तैद: नीलम

हरियाणा वाटिका/नीतीश जोगी

रादौर, 07 मार्च। सेफ सिटी टीम ने जेएमआईटी कॉलेज रादोर में जाकर छात्राओं को क्राइम अगेंस्ट वूमेन,पोक्सो एक्ट के प्रावधान,दुर्गा शक्ति एप, गुड टच व बैड टच के बारे व ट्रैफिक के नियमों तथा साइबर अपराध के बारे में जागरूक किया गया। महिला थाना की एएसआई नीलम ने छात्राओं को उनकी सुरक्षा संबंधित बहुत अच्छी जानकारी प्रदान की। उन्होंने ने बताया कि जिला पुलिस की सेफ सिटी कैम्पेन के तहत महिला थाना की एएसआई नीलम द्वारा महिलाओं को अपराधों तथा अपराधिक प्रवृत्ति के असामाजिक तत्वों के प्रति सजग जागरूक करने के लिए चलाया गया विशेष जागरूकता अभियान लगातार जारी है। इसी अभियान के तहत टीम ने शुक्रवार को जेएमआईटी कॉलेज रादौर में छात्राओं को महिला विरुद्ध अपराध के प्रति सजग रहने तथा असामाजिक तत्वों द्वारा की गई किसी भी प्रकार की अभद्र हरकत का डटकर मुकाबला करने के संबंध में जागरूक किया। इसके लिए उन्होने 112 एप्प व दुर्गा शक्ति एप्प के महत्व बारे जानकारी दी। उन्होंने सभी से अपील की कि यह दोनों एप्प हर महिला के पास होनी चाहिए। इनकी सहायता से वें किसी भी समय विकट परिस्थिति में पुलिस की मदद ले सकती हैं। अगर महिला रात के समय कहीं से आ रही हो या जा रही हो वह अकेली होने पर भी किसी भी परिस्थिति में खुद को असुरक्षित महसूस न करें। आपकी एक कॉल पर महिला पुलिस आपकी सहायता के लिए पहुंच जाएगी व ट्रिप मॉनिटरिंग के तहत महिला को उसके गंतव्य स्थान पर सकुशल पहुंचा देगी।

मतगणना को पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न करवाने को लेकर काउंटिंग टीमों का हुआ रेंडमाइजेशन :डीसी

हरियाणा वाटिका/नीतीश जोगी

यमुनानगर, 07 मार्च। नगर निगम यमुनानगर-जगाधरी व नगर पालिका रादौर के चुनाव सम्पन्न होने के पश्चात जिला के प्रशासन द्वारा 12 मार्च को आयोजित होने वाली मतगणना की तैयारियों को लेकर जिला सचिवालय के सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त पार्थ गुप्ता के अध्यक्षता में मतगणना को पारदर्शी, निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न करवाने के लिए काउंटिंग टीमों का रेंडमाइजेशन किया गया। इस मौके पर नगर निगम चुनाव के रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम सोनू राम, नगराधीश पीयूष गुप्ता, डीआईओ विनय गुलाटी, नायब तहसीलदार चुनाव गुलशन शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी पार्थ गुप्ता ने बताया कि नगर निगम यमुनानगर-जगाधरी की मतगणना 12 मार्च को आईटीआई यमुनानगर में प्रातः 8 बजे शुरू होगी। मतगणना के लिए 16-16 टेबल लगाई गई है और नगर निगम की मतगणना 22 राउंड में पूरी कर ली जाएगी। उन्होंने बताया कि नगर पालिका रादौर की मतगणना 12 मार्च को राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल रादौर में प्रातः8 बजे शुरू होगी।

बेसहारा जीव-जंतुओं की देखरेख के लिए आगे आई सामाजिक संस्था

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

तोशाम, 07 मार्च। क्षेत्र के गांव बुशान के जीव-जंतु कल्याण समिति ने एक बार फिर अपने अनूठे प्रयास द्वारा गांव व आसपास गांवों में घायल दुखी बीमार गौ माताओं और बेजुबान जीव-जंतुओं और पक्षीयों के निशुल्क ईलाज के लिए डॉ. सचिन उर्फ काला आगे आए हैं। शुक्रवार फाल्गुन नवमी को जीव जंतु कल्याण समिति के संचालक डॉ. सचिन काला ने बुशान मंदिर स्थित बाबा नोमी नाथ गऊशाला में बीमार गायों का ईलाज कर व गौ माता के लिए एक क्विंटल गुड़, एक ट्राली तुड़ी व गांयो के लिए केल्शियम दवाई देकर शुरूआत की है। डॉ. सचिन ने बताया कि इसका प्राथमिक उद्देश्य समाज में पशुओं के प्रति दया और करुणा को प्रोत्साहित करना है, साथ ही नागरिकों में पशुओं के साथ मानवीय व्यवहार करने के लिए जागरूकता बढ़ाना है। जानवर भी भगवान का बनाया हुआ रूप है। इसलिए हमें उनके साथ अच्छे से रहना चाहिए। आज जानवर सड़कों पर लावारिसों की तरह फिरते रहते है। कोई इंसान किसी जानवर को पालता है तो अपने लालच के लिए अगर वह बीमार हो जाए या वह जानवर अपने मालिक को वह फायदा नहीं दे पा रहा हो जो उसका मालिक उससे अपेक्षा कर रहा है तो उसका मालिक उससे असंतुष्ट हो जाता है और उससे छुटकारा पाने के लिए या तो उसे कसाई को बेच देता है या फिर उसे कही लावारिस छोड़ देते है। हमें जानवरों के साथ भी इंसानों जैसा व्यवहार करना चाहिए क्योंकि ये भी संवेदनशील होते है। इस अवसर पर महंत पूर्ण नाथ, महंत छोटू नाथ, सरपंच मेहर चंद, मा. लक्ष्मीनारायण स्वामी, प्रधान मा. संजय, पूर्व सरपंच महान सिहं, दलबीर सिंह, हैडमास्टर नरेश, मा. बलबीर, करतार सिंह, महताब, चैयरमेन नरेंद्र, कशमीर, प्रधान रामबीर, अशोक, मनीष आदि मौजूद थे।

महिलाओं को समान अधिकार देकर ही विकसित और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है - साथ मिलकर आगे बढ़ें: निशा पॉल

अपने पति के पारिवारिक व्यवसाय में सहयोग करने के साथ-साथ निशा पॉल एक गृहिणी, लेखिका और स्वतंत्र पत्रकार भी हैं

जतिन/राजा, गुरुग्राम

हमारे समाज में महिलाओं को शक्ति का आधार माना जाता है और इसी से प्रगतिशील राष्ट्र का निर्माण होता है। जब एक महिला शिक्षित होती है, तो वह अन्य महिलाओं को अपने सपनों को साकार करने और भविष्य में सशक्त और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करने में सक्षम होती है। विश्व प्रसिद्ध उद्योगपति व समाजसेवी लॉर्ड स्वराज पॉल की पुत्रवधू निशा पॉल महिला सशक्तिकरण की एक मिसाल हैं, जिन्होंने गृहिणी, लेखिका और स्वतंत्र पत्रकार होने के अलावा अपने पति के व्यवसाय में हमेशा उनका सहयोग किया है।उनका कहना है कि समाज की प्रगति में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और उनका योगदान विभिन्न क्षेत्रों में देखा जा सकता है, चाहे वह परिवार, शिक्षा, राजनीति, आर्थिक विकास या विज्ञान और प्रौद्योगिकी का क्षेत्र हो। महिलाओं की भागीदारी के बिना किसी भी राष्ट्र की प्रगति असंतुलित रह जाती है।

हर युवा लड़की और महिला को इस बारे में जागरूक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को

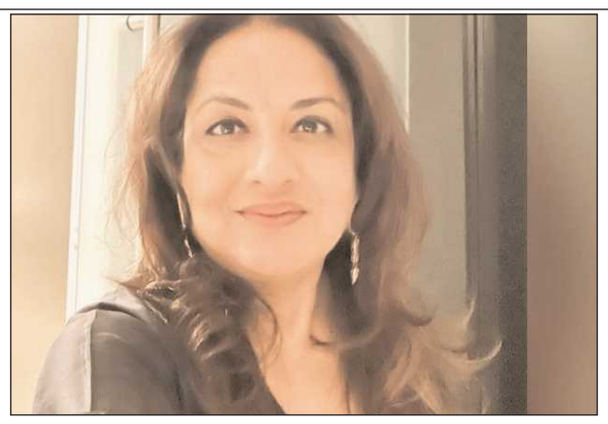

समान अवसर देकर ही एक विकसित राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। एक परिवार की नींव हमारे बेटे और बेटियों को दिए जाने वाले समान अवसरों की एकजुटता पर टिकी होती है। जब हमारे पत्रकार जतिन ने अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर निशा पॉल के जीवन से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर उनसे चर्चा की, तो उन्होंने बताया कि:

प्रश्नः आप एक गृहिणी, लेखिका, स्वतंत्र पत्रकार और व्यवसायी भी हैं। इनमें से आपको सबसे अधिक क्या पसंद है?

उत्तरः जीवन सीखने और निरंतर विकास के बारे में है। हम सभी को कई जिम्मेदारियाँ निभानी होती हैं और एक माँ और पत्नी होना मेरे लिए प्राथमिकता है। मेरा परिवार मेरे लिए सर्वोपरि है।

प्रश्नः- लेखन और पत्रकारिता का विचार आपके मन में कहाँ से आया और आपने इसकी शुरूआत कैसे की?

उत्तरः- जब मैं छोटी थी, तो मुझे फि ल्में देखना बहुत पसंद था और रविवार को मैं न केवल हिंदी फि ल्में बल्कि अंग्रेजी फि ल्में भी देखती थी और बॉलीवुड सिनेमा को बहुत पसंद करती थी। मेरे लिए लेखन अपनी कल्पना को व्यक्त करने का एक तरीका है। मैं अपनी स्कूल पत्रिका के लिए लिखती थी और सपनों से भरी उस छोटी सी उम्र में मैंने कुछ हिंदी कविताएँ भी लिखीं। शादी के बाद मैंने लंदन स्कूल ऑफ जर्नलिज्म से पत्रकारिता की पढ़ाई की।

प्रश्नः- एक अच्छे लेखक बनने के लिए लेखक मे कौन- कौन से गुण होने चाहिए?

उत्तरः- निशा पॉल ने कहा कि जीवन का अवलोकन, अपने विषय के प्रति गहरा जुनून और अपनी स्क्रिप्ट के प्रति ईमानदार होने की क्षमता एक सफल लेखक बनने के लिए आवश्यक है।

प्रश्नः-आप अपने प्रकृति के प्रति प्रेम के बारे में क्या कहना चाहेंगी?

उत्तरः- निशा पॉल ने कहा कि उन्हें पेड़, पौधे और फूल बहुत पसंद हैं क्योंकि वे जीवित रूप हैं जो हमें सुंदरता, धैर्य और लचीलापन सिखाते हैं। एक पेड़ हमें कई तूफानों से बचाता है और अपने नीचे खड़े सभी लोगों की रक्षा करता है। यह दृढ़ता और विश्वास का प्रतीक है।

प्रश्नः भारत में आपकी पसंदीदा जगह कौन सी है जहाँ आप हमेशा जाना पसंद करते हैं?

उत्तरः मुझे मुंबई बहुत पसंद है। हम सभी को ऐसी जगहें पसंद हैं जहाँ हमारे माता-पिता के साथ बचपन की यादें जुड़ी हों। मुझे समुद्र के पास के शहर सबसे ज्यादा पसंद हैं। समुद्र तट पर ठंडे पानी में अपने पैर डुबोते समय लहरों की आवाज की शक्ति आत्मा को समृद्ध करती है। समुद्र की गहराई और शक्ति मुझे हमेशा चकित करती है।

प्रश्नः आप सामाजिक कार्यों में कितनी रुचि रखते हैं और आप किस तरह की सामाजिक सेवा में विश्वास करती हैं?

उत्तरः बच्चों की मदद करना मेरे दिल के बहुत करीब है। मैं 9 साल तक मैजिक बस यूके की ट्रस्टी रही । यह मैजिक बस इंडिया की एक शाखा है, जो झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले युवाओं के साथ काम करती है और उन्हें बचपन से लेकर आजीविका और रोजगार तक ले जाती है। ब्रिटिश के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर की पत्नी चेरी ब्लेयर, हमारी प्रिय मित्र अपनी संस्था के माध्यम से कई विकासशील देशों में वंचित महिलाओं को स्वरोजगार हासिल करने में मदद कर रही हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने मुझे "लखपति दीदी" नामक अपने अविश्वसनीय प्रयास के बारे में बताया, जो गांवों में महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनने और अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित करता है।

प्रश्नः महिला सशक्तिकरण और महिला अधिकारों के बारे में आप क्या कहना चाहेंगी?

उत्तरः हर इंसान को समान महसूस करने और अपने जीवन को अपनी इच्छानुसार बनाने का अधिकार है। यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि भारत में महिलाओं को सभी क्षेत्रों में अपने जीवन को आगे बढ़ाने के लिए अधिक अवसर दिए जा रहे हैं।

प्रश्नः ब्रिटेन और भारत में महिलाओं की स्थिति में अंतर के बारे में आपका क्या विचार है?

उत्तरः हर देश की अपनी संस्कृति होती है, जो उनके अपने धार्मिक और सामाजिक विश्वासों से आकार लेती है। भारत के पास इतिहास की अमूल्य समृद्ध विरासत है, जिसने हजारों सालों से हमें आकार दिया है। भारत एक ऐसा देश है जहाँ हम देवी-देवताओं की एक साथ पूजा करते हैं। मुझे भारतीय होने पर गर्व है।

प्रश्नः आज आप निश्चित रूप से एक सफल महिला हैं। आप अपने भविष्य के जीवन को कैसे देखती हैं? क्या कोई ऐसी इच्छा है जिसके पूरा होने का आप बेसब्री से इंतजार कर रही हैं?

उत्तरः मैं उन सभी चीजों के लिए आभारी हूँ जो मेरे पास हैं और उन चीजों के लिए भी जो मुझे नहीं मिली हैं। हम मुट्ठी बाँधकर आते हैं और खुले हाथों से जाते हैं। हर कोई अलग-अलग कर्तव्य निभाता है और अलग-अलग भूमिकाएँ निभाता है लेकिन अंत में हम सभी वही होते हैं जो हम शुरूआत में थे।

प्रश्नः- क्या आप अपने जीवन साथी आकाश पॉल जी के बारे में कुछ कहना चाहेंगी ?

उत्तरः- मैं पहली बार 1981 में कलकत्ता में एक शादी में आकाश से मिली थी। आकाश मुझे जानने के लिए दृढ़ था, उसने शादी के लिए मेरी हाँ का इंतजार किया और दो साल बाद हमने शादी कर ली।वह मेरी ज़िंदगी है लेकिन मेरी भी अपनी ज़िंदगी है।आकाश इस बात को अच्छे से समझते हैं । वह पूरी तरह से ईमानदार है और उनके लिए एक व्यक्ति की ईमानदारी उसके कार्यों में निहित है। उनका सेंस ऑफ ह्यूमर मेरा इंद्रधनुष है।

जय मां भ्रामरी महादेवी लंगर कमेटी द्वारा बनभौरी धाम के लिए दूसरी पैदल ध्वजा यात्रा 8 मार्च को होगी रवाना

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 07 मार्च। मां बनभौरी देवी शक्तिपीठ के लिए जय मां भ्रामरी देवी लंगर कमेटी रतिया द्वारा बनभौरी धाम के लिए दूसरी पैदल ध्वजा यात्रा का जत्था प्रधान गुलाब शर्मा की अगुवाई में 8 मार्च दिन शनिवार को शाम 6 बजे पुरानी गौशाला रतिया से रवाना होगी। जानकारी देते जय माँ भ्रामरी देवी लंगर कमेटी ट्रस्ट के चैयरमैन राकेश गर्ग व प्रधान गुलाब शर्मा ने बताया कि जय मां भ्रामरी महादेवी लंगर कमेटी द्वारा बनभौरी धाम के लिए दूसरी पैदल ध्वजा यात्रा पुरानी गौशाला से 8 मार्च शनिवार को शाम 6 बजे माता रानी के जयकारों के साथ रवाना होगी जो कि 9 मार्च रविवार को माता रानी के चरणों मे ध्वज अर्पित करेंगे। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए कहा कि साल में दो बार हर नवरात्रों पर उनकी कमेटी द्वारा मां बनभौरी शक्तिपीठ में लंगर लगाया जाता है जो दिन रात 24 घंटे चलता है उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि बरवाला से 7 किलोमीटर दूर बनभौरी धाम की सड़क पर पेट्रोल पंप के पास यह लंगर पिछले लगभग 8 वर्षों से साल में दो वार नवरात्रो में लगाया जा रहा हैं । जिसमें खाने पीने रहने सोने आदि का सभी प्रबंध ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। इस बार कमेटी द्वारा बनभौरी धाम के लिए दूसरी पैदल ध्वजा यात्रा जाएगी जो कि निरंतर महामाई की इच्छा तक जारी रहेगी। उन्होंने कहा की मां भ्रामरी देवी शक्तिपीठ मां दुर्गा का ही स्वरुप है यहां पर लाखों की संख्या में हरियाणा पंजाब दिल्ली राजस्थान से श्रद्धालु आते हैं और माता के आगे नतमस्तक होते हैं और अपनी मन्नते मांगते हैं जिसे माता रानी अवश्य पूरा करती है।इस अवसर पर ट्रस्ट के चैयरमैन राकेश गर्ग,प्रधान गुलाब शर्मा,जीत सैनी, केशियर अजय शर्मा,,काका सैनी, सचिव सुनील सैनी,दर्शन,बलजीत,साहिब, आदि ट्रस्ट के सभी सदस्य मौजूद थे।

"रंग भरी शाम रंगीले कन्हैया के नाम" भव्य होली महोत्सव कार्यक्रम 12 मार्च को।

हरियाणा वाटिका/नंदकिशोर

रतिया, 07 मार्च। 12 मार्च दिन बुधवार को दोपहर 3 बजे से प्रभु इच्छा तक श्री कृष्ण गौशाला कमेटी व गौशाला मंदिर महिला मंडल रतिया द्वारा "रंग भरी श्याम रंगीले कन्हैया के नाम" भव्य होली महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन श्री कृष्ण गौशाला प्रांगण स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर में किया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए मंदिर पुजारी पवन शास्त्री व धीरज शास्त्री ने संयुक्त रूप से बताया कि होली के शुभ अवसर पर श्री कृष्ण गौशाला स्थित राधा कृष्ण मंदिर में "रंग भरी श्याम रंगीले कन्हैया के नाम" भव्य होली महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा,जिसमें भैया राज जी ग्रोवर श्री हरि नाम संकीर्तन मंडल बतौर विशिष्ठ अतिथि शिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम में वृंदावन की लट्ठमार होली,फूलों की होली,तिलक होली,इत्र होली के साथ-साथ भजन संध्या का आयोजन दोपहर 3 बजे से लेकर प्रभु इच्छा बजे तक होगा। श्री कृष्ण गौशाला कमेटी ने श्रद्धालुओं को आह्वान करते हुए कहा कि इस उत्सव में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेंकर इस कार्यक्रम का आनंद ले। इस अवसर पर समस्त कमेटी मेंबर उपस्थित थे।

पीएनबी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान नसीबपुर में बैंक सखी के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नारनौल, 07 मार्च। पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान नसीबपुर में आज संस्थान के निदेशक एचआर सभरवाल ने बैंक सखी के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी कार्यक्षेत्र में यदि आपका भावनात्मक लगाव है तो इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं कि उस क्षेत्र में आपको सफलता की प्राप्ति ना हो। इसलिए जिस भावना से आप यहां प्रशिक्षण लेने के लिए आई हो उसी के अनुरूप आपको प्रशिक्षण लेना चाहिए। उन्होंने बताया कि सीखने की कोई सीमा नहीं होती है। हर व्यक्ति जीवन पर्यन्त सीखता ही रहता है। किसी भी देश की प्रगति में महिलाओं की एक अहम भूमिका होती है और कोई भी समाज, देश तभी विकसित हो सकता जब महिलाओं की सक्रिय भागीदारी हो। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह के माध्यम से हम समाज के ग्रामीण अथवा शहरी क्षेत्र की महिलाओं को जागृत कर ज्यादा से ज्यादा समूह का गठन करें। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही सामाजिक सुरक्षा स्कीमों प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पैंशन योजना, सेविंग अकाउंट, करंट अकाउंट, मुद्रा लोन इत्यादि स्कीमों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर एसएचजी महिला बेगपुर अटेली से आशा देवी, संकाय सदस्य कुलदीप सिंह, कृष्ण कुमार, हरिश चन्द्र व सुभाष मौजूद थे।

राजकीय महाविद्यालय में एनएसएस विशेष शिविर का छठा दिन: स्वच्छता, संवाद और सामूहिकता का अद्भुत संगम

शिविर के विशेष सत्र में डॉ. लीना जैन ने छात्राओं को उनके स्वास्थ्य से संबंधित दी जानकारी

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

लोहारू, 07 जनवरी। स्थानीय चौ. बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय में आयोजित एनएसएस विशेष शिविर के छठे दिन की शुरूआत एनएसएस असेंबली और योग सत्र के साथ हुई। इस दौरान सभी स्वयंसेवकों ने अनुशासन और एकता के साथ शिविर में भाग लिया। योगाभ्यास का संचालन डॉ. अंजू के मार्गदर्शन में किया गया। इसमें योग आसनों का अभ्यास कराया गया। इसके बाद स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर की सफाई की और स्वच्छता का संदेश दिया। महाविद्यालय की विभिन्न इमारतों, कक्षाओं और गलियारों की सफाई कर छात्रों ने श्रमदान का महत्व समझा। शिविर में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें स्वयंसेवकों ने विभिन्न सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता में चीनू ने

प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि मनीषा द्वितीय स्थान पर रही।

शिविर के सबसे महत्वपूर्ण सत्र में डॉ. लीना जैन ने छात्राओं के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ी समस्याओं पर गहन चर्चा की। उन्होंने लड़कियों को व्यक्तिगत स्वास्थ्य, मासिक धर्म स्वच्छता, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। नीना जैन ने बताया कि स्वास्थ्य केवल शारीरिक नहीं बल्कि मानसिक और भावनात्मक भी होता है। उन्होंने कहा कि आज की लड़कियों को केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मरक्षा के गुर भी सीखने की जरूरत है। इस चर्चा में छात्राओं ने खुलकर अपने अनुभव साझा किए और कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे।

छात्राओं ने मासिक धर्म से जुड़ी भ्रांतियों, मानसिक तनाव, आत्मविश्वास की कमी, करियर से जुड़ी चिंताओं और सामाजिक दबावों पर खुलकर चर्चा की। लीना जैन ने उन्हें प्रेरित करते हुए कहा कि हर लडकी को अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखना चाहिए और समाज की रूढि?ों को तोडकर आगे बढ?ा चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर कई समस्याओं से बचा जा सकता है। स्वयंसेवकों ने एनएसएस पार्क के सौंदर्यीकरण के लिए श्रमदान किया। इस दौरान प्राचार्य मुकेश कुमार ने छात्रों को सामूहिक जिम्मेदारी और सहयोग की भावना से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने साझा विचारों और एकजुटता के महत्व पर भी प्रकाश डाला। एनएसएस विशेष शिविर के छठे दिन की गतिविधियां न केवल स्वयंसेवकों के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनने का अवसर नहीं, बल्कि उन्होंने सामाजिक जिम्मेदारियों, स्वच्छता, सामूहिक सहयोग और व्यक्तिगत स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी सीख प्राप्त की।

नशे के विरुद्ध अभियान- डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने दिया व्याख्यान

नशा छोड़ो जीवन से नाता जोड़ो पर एक दिवसीय कार्यशाला

हरियाणा वाटिका/विकास कुमार कैथल, 07 मार्च। कृषि विश्वविद्यालय कौल में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के पांचवें दिन हरियाणा राज्य नारकोटिक्स नियंत्रण ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा द्वारा नशा मुक्ति विषय पर एक प्रेरणादायक व्याख्यान दिया गया। उन्होंने युवाओं को नशे की भयानक स्थिति और इससे होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। डॉ. वर्मा ने बताया कि हरियाणा सरकार और केंद्र सरकार द्वारा नशे के विरुद्ध कड़े कानून लागू किए गए हैं, जिनमें नारकोटिक्स साइकॉट्रॉपिक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए सख्त प्रावधान शामिल हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ड्रग्स का मुख्य आयात ईरान, अफगानिस्तान, नाइजीरिया, म्यांमार और पाकिस्तान से होता है, जहां से अवैध रूप से इसे भारत के विभिन्न राज्यों में पहुँचाया जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि 2016 में किए गए सर्वेक्षण के अनुसार हरियाणा के 12 जिलों में नशे का प्रभाव था जबकि भारत के 272 जिले नशे से प्रभावित थे। ब्यूरो अधिकारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो और पुलिस द्वारा वर्ष 2023 में 3823 अभियोग अंकित कर 5918 से अधिक अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा गया है जबकि वर्ष 2024 में 3330 अभियोग अंकित कर 5201 से अधिक अपराधी आज सलाखों के पीछे हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा में 108 ड्रग पैडलरों की सम्पति जब की गई है जबकि 77 के विरुद्ध कार्य चला रहा है। डॉ. वर्मा ने युवाओं और बच्चों में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने बताया कि नशे का प्रभाव केवल वयस्कों तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चे भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। उन्होंने तम्बाकू उत्पाद पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार प्रत्येक 4 सेकंड में एक बच्चा नशे या धूम्रपान के कारण अपनी जान गंवा देता है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, तंबाकू सेवन के कारण हर साल 87 लाख लोग मृत्यु का शिकार होते हैं, जिसमें भारत में यह संख्या 19 लाख है। निष्क्रिय धूम्रपान भी उतना ही घातक है जितना सक्रिय धूम्रपान, जिससे बच्चों और परिवार के अन्य सदस्यों पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न पोर्टल्स की जानकारी भी दी। 'मानस पोर्टल' गुप्त सूचनाएं देने के लिए सुरक्षित है। नशा पीड़ितों के पुनर्वास और उपचार पर भी ध्यान दिया जा रहा है। अपने संबोधन के अंत में डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने सभी छात्रों को नशे से दूर रहने और समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प दिलाया। उन्होंने बताया कि नशे के विरुद्ध लड़ाई में सरकार और समाज को एक साथ मिलकर काम करना होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवकों ने भी नशा मुक्त हरियाणा बनाने की प्रतिज्ञा ली और इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। यह जागरूकता कार्यक्रम सभी उपस्थितों के लिए बेहद ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा।

एसडीएम डॉ. अशवीर नैन ने किया डाडम की पहाड़ियों का निरीक्षण

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

तोशाम, 07 मार्च। एसडीएम डॉ. अशवीर सिंह नैन ने शुक्रवार को डाडम की पहाड़ियों का निरीक्षण किया। एसडीएम ने डाडम पहाड़ी की खदानों का निरीक्षण कर खनन विभाग के अधिकारियों को पहाड़ी क्षेत्र में लगातार निगरानी किए जाने के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि खनन अधिकारी पहाडी में जाने वाले तमाम बंद रास्तों की यथास्थिति रखना सुनिश्चित करें।

एसडीएम डॉ. अशवीर नैन शुक्रवार को अचानक डाडम की पहाड़ियों का निरीक्षण करने पंहुचे। एसडीएम ने डाडम की पहाड़ियों में जाने वाले रास्तों का निरीक्षण किया और खनन अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र का लगातार दौरा करते रहें। उन्होंने निर्देश दिए कि खनन अधिकारी सुनिश्चित करें कि किसी भी तरह से अवैध माइनिंग न हो। उन्होंने कहा कि डाडम पहाड़ी इलाके की निरंतर निगरानी बनाए रखें। पहाडियों पर निगरानी के लिए पेट्रोलिंग को बढ़ाएं। एसडीएम ने खनन अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि मामले में कोताही की तो कड़ी कार्रवाई होगी, ऐसे में लगातर निगरानी करते रहें।

इसके बाद एसडीएम डॉ. नैन खानक पंहुचे और खनन एरिया से निकल रहे वाहनों का ई-रवाना चैक किए। एसडीएम ने वाहनों को रुकवाकर ई-रवाना व अन्य कागजात जांचे। एसडीएम ने वाहन संचालकों को निर्देश दिए कि नियमानुसार लोड रखें और कागजात पूरे हों। एसडीएम ने कहा कि प्रत्येक वाहन मालिक तय लोड को ही भरवाना सुनिश्चित करें।

बाबा जोगा सिंह जी नानकसर वालों ने किया सुरेंद्र पाल सिंह रामगढिया का सम्मान

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया

करनाल, 07 मार्च। खालसा गतका फेडरेशन ऑफ हरियाणा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष सुरेंद्र पाल सिंह रामगढिया का गुरुद्वारा लंगर माता साहिब कौर जी नानकसर बाईपास करनाल में पहुंचने पर बाबा जोगा सिंह जी ने सिरोपा व (बरछा) भेंट कर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि 4 मार्च को शिरोमणि पंथ रत्न जत्थेदार बाबा बलबीर सिंह जी 98 करोड़ी बुड्ढा दल द्वारा खालसा गतका फेडरेशन ऑफ इंडिया की हरियाणा इकाई का गठन कर सुरेंद्र पाल सिंह रामगढि?ा को हरियाणा प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। प्रधान बनने के बाद पहली बार गुरुद्वारा नानकसर लंगर माता साहिब कौर जी बाईपास करनाल में पहुंचे सुरेंद्र पाल सिंह रामगढिया ने गुरुद्वारा में माथा टेका और बाबा जोगा सिंह जी से भेंट की। बाबा जोगा सिंह जी ने सिरोपा व बरछा भेंट कर नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष का सम्मानित किया। बाबा जोगा सिंह ने बताया कि गतका सिख मार्शल आर्ट है और यह स्वयं की रक्षा के लिए भी बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि समाजसेवी व मानवता की भलाई के लिए हमेशा तत्पर रहने वाले सरदार रामगढिया को इस जिम्मेदारी को सौंप कर शिरोमणि पंथ रत्न जत्थेदार बाबा बलबीर सिंह जी ने हरियाणा की सिख संगत व सिख युवाओं में देश भक्ति व धार्मिक आस्था को और मजबूत करने का काम किया है। इस अवसर पर सरदार रामगढिया ने बाबा जोगा सिंह जी व संगत को विश्वास दिलाया कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसे पूरी लगन और निष्ठा से निभाते हुए सिख मार्शल आर्ट गतका को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलवाने का काम करेंगें।

अपने मौलिक अधिकार एवं कानूनी सेवाओं के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए डीएलएसए द्वारा आयोजित किए जाएंगे जागरूकता कैंप

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

सोनीपत, 07 मार्च। मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण(डीएलएसए) के सचिव प्रचेता सिंह ने बताया कि जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा आम जन को शिक्षा का हक-नई राह नई पहचान, सशक्त बचपन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, हमारा सविधान हमारा सम्मान पंच प्राण शपथ, भविष्य आपके हाथ में(वोट डालने का अधिकार), मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य, आजादी का अमृत महोत्सव, कार्य स्थालों पर महिलांओं का यौन उत्पीड?, संमलैगिकों के कानूनी अधिकार, बाल विवाह रोकना के तरीके , यौन शोषण, जिला वैकल्पिक विवाद समाधान केंद्र की सेवाओं के बारे, कानूनी सेवा संस्थानों डीएलएसए के कार्य, स्थायी लोक अदालत (सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएं), मध्यस्थता केंद्र, विधवा सेल, लोक अदालतें, नालसा योजनाएं, एचवीसीएस योजना, राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण की गिरफ्तारी से पहले, गिरफ्तारी और रिमांड चरण में न्याय तक शीघ्र पहुंच योजना तथा नालसा की राष्ट्रीय कानूनी हेल्पलाइन संख्या 15100 के बारे में जागरूक करने के लिए कैंप आयोजित किए जाएंगे ताकि जरूरत पडने पर पात्र व्यक्ति इन योजनाओं का लाभ ले सकें। उन्होंने बताया कि 11 मार्च को सोनीपत क बस स्टैड एवं रेलवे स्टेशन, 14 मार्च को सैक्टर 14 मार्केट एव कच्चे क्वाटर, 18 मार्च को मुरूथल, 20 मार्च को शाम मंदिर, सोनीपत, 24 मार्च को सोनीपत के तिरंगा चैक एवं ककरोई चैक, 27 मार्च को सैक्टर- 15 मार्केट सभी जागरूकता कैंप सुबह 11 बजे से आयोजित किये जाएगें।

निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग मतगणना के लिए सभी प्रबंध पूरे : एसडीएम वीरेंद्र सिंह

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

सिवानी मंडी, 07 मार्च। सिवानी नगर पालिका के रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम वीरेंद्र सिंह ने बताया कि नगर पालिका के अध्यक्ष तथा वार्ड पार्षदों के चुनाव की मतगणना 12 मार्च को सुबह 8 बजे से की जाएगी। निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग मतगणना के लिए सभी प्रबंध पूरे कर लिए गए हैं। मतगणना का कार्य राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के हाल में की जाएगी। एसडीएम वीरेंद्र सिंह ने बताया कि वार्ड पार्षद तथा चेयरमैन की दो-दो राउंड की मतगणना होगी। सिवानी के नगर पालिका के वार्ड पार्षद के लिए मतों की गणना दौरान में 8 टेबल लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि सर्वप्रथम वार्ड पार्षद की मतगणना की जाएगी। इसके बाद नगर पालिका के अध्यक्ष के मतों की गणना की जाएगी। चेयरमैन के मतों की गणना के लिए भी 8 टेबल लगाए गए है। उन्होंने बताया कि मतगणना प्रक्रिया में जुटे अधिकारी व कर्मचारी की एंट्री भी सुबह 7 बजे और मतगणना एजेंटों की एंट्री भी 12 मार्च को सुबह 7 बजे होंगी।

नारनौल, महेंद्रगढ़ व कनीना में राष्ट्रीय लोक अदालत आज

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

नारनौल, 07 मार्च। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा निदेर्शानुसार 8 मार्च को नारनौल, महेंद्रगढ़ कनीना में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी शैलजा गुप्ता ने बताया कि जिला में राष्ट्रीय लोक अदालत में केसों की सुनवाई के लिए 5 बेंचों का गठन किया गया है। नारनौल में राष्ट्रीय लोक अदालत में केसों की सुनवाई के लिए 3 तथा महेंद्रगढ़ में एक व कनीना में एक बैंच का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि नारनौल में अतिरिक्त एवं जिला सत्र न्यायाधीश योगेश चौधरी, सिविल जज (सीनियर डिवीजन) ललिता पटवर्धन व सिविल जज (जूनियर डिवीजन) भुवनेश सैनी केसों की सुनवाई करेंगे। इसी प्रकार महेंद्रगढ़ में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) प्रदीप कुमार व कनीना में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) प्रवीन कुमार लोक अदालत में केसों की सुनवाई करेंगे।

नवयुग स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर हुआ विशेष सेमिनार

बच्चों को शुरू से अनुशासित बनाएं अभिभावक : ममता सूद

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 07 मार्च। नवयुग सीनियर सेकेंडरी स्कूल मोहन नगर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर माताओं के लिए विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसका विषय जागरूक नारी जागरूक समाज रहा। सभी माताओं का स्वागत उन्हें तिलक लगा कर एवं प्रशस्ति पट्टिका पहना कर किया गया। इस दौरान प्रसिद्ध कवियित्री एवं समाज सेविका डॉ ममता सूद विशेष अतिथि रहीं। सेमिनार का प्रारंभ माता सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ देवेन्द्र अरोड़ा ने सभी माताओं एवं विशेष अतिथि का स्वागत किया। डॉ ममता सूद ने माताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें छह 'प' पूजा, प्राणायाम, प्रतियोगिता, परंपराएं, प्रेरक प्रसंग, प्रसाद हमेशा याद रखने चाहिए। अधिकतर अभिभावकों के लिए परवरिश का अर्थ केवल अपने बच्चों की खाने-पीने, पहनने-ओढ़ने और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना है। इस तरह से वे अपने दायित्व से तो मुक्त हो जाते हैं, लेकिन क्या वे अपने बच्चों को

अच्छी आदतें और संस्कार दे पाते हैं, जिनसे वे आत्मनिर्भर और जिम्मेदार बन सकें। अक्सर माता पिता इस बात को लेकर परेशान रहते हैं कि हम अपने बच्चों की परवरिश किस तरह से करें, ताकि वे अच्छे नागरिक बन सकें। उन्होंने माताओं को समझाया कि बच्चा जब बड़ा होने लगता है, तब ही से उसे नियम में रहने की आदत डालें। 'अभी छोटा है, बाद में सीख जाएगा' यह रवैया खराब है। उन्हें शुरू से अनुशासित बनाएं। कुछ माताएं बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर निर्देश देने लगते हैं और उनके ना समझने पर डांटने लगते हैं, कुछ माता-पिता उन्हे मारते भी हैं। यह तरीका भी गलत है। वे अभी छोटे हैं, आपका यह तरीका उन्हें जिद्दी और विद्रोही बना सकता है। काम करने वाले अभिभावकों के साथ यह समस्या होती है कि उनके पास अपने बच्चों के साथ बिताने के लिए समय नहीं मिल पाता। ऐसे माता-पिता अपने बच्चों के लिए समय निकालें और उनके क्रियाकलापों पर ध्यान दें कि वे क्या करते हैं, उनके दोस्त कौन हैं आदि। विद्यालय की उप प्रधानाचार्या रिद्धिमा ने कहा कि अब वह समय नहीं रहा, जब माता-पिता ने जो कह दिया, वही सही है। अब समय बदल गया है, बच्चे मुखर हो गए हैं। उनका अपना नजरिया है।

माता-पिता को यह करना है कि बच्चों के साथ बॉस या हिटलर की तरह नहीं, बल्कि दोस्त बन कर रहें। आपका यह तरीका बच्चों को आपके करीब लाएगा। वे आपसे खुल कर बात कर पाएगें। मुख्याध्यापिका प्रीति मिश्रा ने बताया कि बच्चों को आत्मनिर्भर बनाएं। बचपन से ही उन्हें अपने छोटे-छोटे फैसले खुद लेने दें। जैसे उन्हें डांस क्लास जाना है या जिम। फिर जब वे बड़े होंगे, तो उन्हें विषय का चयन करने में आसानी होगी। आपके इस तरीके से बच्चों में निर्णय लेने की क्षमता का विकास होगा और वे भविष्य में चुनौतियों का सामना डट कर, कर पाएंगे। कॉर्डिनेटर ऋतु चौधरी ने कहा कि कुछ माता पिता अपनी अपेक्षाओं को बच्चों पर थोपने लगते हैं, जिससे बच्चे तनावग्रस्त हो जाते हैं और उनका स्वाभविक विकास नहीं हो पाता है। माता-पिता ऐसा न करें क्योंकि बच्चा अपने साथ अपनी खूबियां लेकर आया है। उसे स्वाभाविक रूप से बढ़ने दें।

विद्यालय के डायरेक्टर बी.डी. गाबा ने सभी माताओं एवं विशेष अतिथि का धन्यवाद कर उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ देवेन्द्र अरोड़ा, प्रबंधक विकास गाबा सहित स्टाफ के वरिष्ठ सदस्य मौजूद रहे।

प्रशिक्षण कार्यशाला से अध्यापकों को नई शिक्षा नीति के प्रति जागरूक किया

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

इस्माईलाबाद, 07 मार्च। मनीष पपनेजा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में नई शिक्षा नीति को लेकर सीबीएसई द्वारा निर्धारित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया है। यह कार्यशाला रिसोर्स पर्सन डॉ. गौरव गर्ग एवं स्कूल प्रधानाचार्य डॉ रचना बत्रा के दिशा निर्देशन में संपन्न हुई। इस कार्यशाला में विद्यालय के सभी शिक्षकों की सहभागिता रही। स्कूल की प्रधानाचार्य रचना बत्रा ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों को तरह तरह के कौशल प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। इस तरह की कार्यशालाएं शिक्षकों के लिए सहायक सिद्ध होती हैं ताकि विद्यार्थियों को सहज ढंग से शिक्षित किया जा सके। इस अवसर पर समस्त स्कूल स्टाफ मौजूद रहा।

महिला के घर से 13 बोतल शराब मार्का क्लब माल्ट बरामद, मामला दर्ज

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

इस्माईलाबाद, 07 मार्च। आबकारी विभाग ने अवैध शराब रखने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार कर कार्रवाई शुरू कर दी है। आबकारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने थाना दी शिकायत में बताया कि उन्हें गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि गांव लोटनी में एक महिला में अवैध तरीके से शराब बेचने का काम करती है। सूचना के आधार पर पुलिस ने बताए गए पते पर छापेमारी की तो उन्हें घर के बाहर एक महिला मिली। महिला से जब शराब बेचने के बारे में पूछा तो उसने कहा कि वह पहले शराब बेचने का काम करती है लेकिन अब उसने काम बंद कर दिया है। उनकी टीम को उसकी बातों पर शक हुआ जब उसके घर के बाहर बने कमरे की तलाशी ली गई तो वहां से पुलिस को 13 बोतल मार्का क्लब माल्टा बरामद हुई। जब महिला से शराब रखने व बेचने बारे परमीट दिखाने को कहा गया तो वह प्रस्तुत नहीं कर पाई। पुलिस ने महिला के खिलाफ अवैध तरीके से शराब रखने के आरोप में मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। महिला की पहचान करेशनी देवी वासी लोटनी के रूप में हुई है। मामले की जांच एएसआई प्रदीप कुमार कर रहे है।

महामहिम राष्ट्रपति के दौरे को लेकर सभी तैयारियां करें पूरी : उपायुक्त

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

हिसार, 07 मार्च। उपायुक्त अनीश यादव ने महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के 10 मार्च को हिसार में प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन, अतिरिक्त उपायुक्त सी. जयाश्रद्धा सहित तमाम अधिकारी मौजूद थे।

इस दौरान उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर जिन अधिकारियों तथा कर्मचारियों की ड्यूटियां सुनिश्चित की गई हैं, उनके पास की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा की जाएगी। इसके साथ ही बैठक के दौरान उपायुक्त अनीश यादव ने महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु तथा महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर जिन अधिकारियों की ड्यूटियां लगाई गई हैं, उनसे कई पहलुओं पर फीडबैक भी लिया। उपायुक्त अनीश यादव ने निर्देश दिए कि महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का हिसार दौरा खासा अहम है। ऐसे में उनके प्रस्तावित दौरे को लेकर ड्यूटी में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति के दौरे को लेकर विभिन्न व्यवस्थाओं तथा सुरक्षा संबंधी सभी विषयों पर समय रहते पूरी तत्परता के साथ कार्य करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति के आगमन को लेकर रिहर्सल के दिन तक सभी जरूरी औपचारिकताएं, सुरक्षा के सभी प्रबंधन, निर्बाध बिजली सप्लाई, संभावित स्थानों पर बैरिकेडिंग, वाहनों की पार्किंग तथा आमजन, वीआईपी से संबंधित जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए।

हिसार पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने बताया कि समारोह स्थल का जायजा लेकर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए निर्धारित स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इस मौके पर एसीयूटी कनिका गोयल, नगराधीश हरिराम, हिसार एसडीएम ज्योति मित्तल, बरवाला एसडीएम वेदप्रकाश बेनीवाल, नगराधीश हरिराम, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त प्रीतपाल सिंह, एस्टेट ऑफिसर एचएसवीपी आंचल भास्कर, रोडवेज जीएम डॉ मंगलसेन, सीएमओ सपना गहलावत, उप सिविल सर्जन डॉ सुभाष खतरेजा, डीआईओ दीपक भारद्वाज, वाइल्ड लाइफ से दिनेश जांगड़ा मौजूद थे।

नारी शक्ति सेवा सम्मान से विभूषित होंगी हरियाणा के विभिन्न शहरों की प्रतिभाएं आज

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 07 मार्च। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 8 मार्च को सेक्टर-3 स्थित शिव मंदिर के प्रांगण में नारी शक्ति सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही स्वैच्छिक रक्तदान शिविर भी आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित, शतकवीर डायमंड रक्तदाता डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से राष्ट्र को समर्पित नारी शक्ति सेवा सम्मान से विभूषित किया जाएगा। इनमें प्रोफेसर सुशीला चौहान, हिमशिखा, एकजोत कौर, राजकुमारी पंवार, ज्योति रोहिल्ला, डॉ. नीतू बाला, अंजलि शर्मा, कंचन बाला, डॉ. कान्ता वर्मा, पिंकी श्योराण, सुषमा चौधरी, राजवंत कौर, मोनिका भाटिया, आरती, रजनी बाला, नवीन, किरण चड्ढा, मिनाक्षी शर्मा और सुरेखा आदि विशेष रूप से उपस्थित रहेंगी। इनके अतिरिक्त जीवनपर्यन्त समाज के लिए तत्पर सेवाभावी सूरज कमल सेठ और डॉ. एम एम सिंह को आजीवन सेवा सम्मान से सुशोभित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में ही स्वैच्छिक रक्तदान शिविर भी लगाया जाएगा, जिसमें कोई भी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है।

रामपुरा मोहल्ला में तोडफोड़ अवैध पीजी के खिलाफ की शिकायत

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

हिसार, 07 मार्च। रामपुरा मोहल्ला रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों ने गीता भवन पार्क में हुई तोडफोड़ की घटना और अवैध पीजी के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ सब्जी मंडी चौकी में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया कि 5 मार्च की रात कुछ असामाजिक तत्वों ने पार्क में रखी कुर्सियों और अन्य सामान को नुकसान पहुंचाया।

मोहल्ले के लोग इसे अवैध रूप से चल रहे पीजी और वहां रहने वाले अनजान लोगों से जोडक? देख रहे हैं। एसोसिएशन का कहना है कि इन अवैध पीजी में बिना किसी पहचान व बिना जांच के बाहरी लोग ठहरते हैं, जिससे सुरक्षा संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। एसोसिएशन के सचिव कृष्ण जैन के नेतृत्व में करीब 15 सदस्य सब्जी मंडी चौकी पहुंचे और प्रभारी कुलदीप सिंह को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने तीन प्रमुख मांगें रखीं, गीता भवन पार्क में हुई तोडफोड़ की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए, अवैध पीजी पर सख्त कदम उठाए जाएं और इलाके में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। शिकायत के साथ तोड़े गए सामान की तस्वीरें भी पुलिस को सौंपी गईं। मोहल्ला निवासी जल्द से जल्द उचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं ताकि इलाके में शांति और सुरक्षा बनी रहे। पुलिस प्रशासन से इस मामले में त्वरित कदम उठाने की अपील की गई है। उल्लेखनीय है कि रामपुरा मोहल्ला निवासी पहले भी अवैध पीजी की जानकारी साझा कर चुके हैं। इसलिए इस दिशा में तुरंत प्रभाव से सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है।

गुजवि की प्रो. वंदना पूनिया राष्ट्रीय चाणक्य पुरस्कार से सम्मानित

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

हिसार, 07 मार्च। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठित शिक्षाविद प्रो. वंदना पूनिया को वर्ष 2024 के लिए बैस्ट टीचर एजुकेटर के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय चाणक्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान उन्हें गुजरात के शिक्षा मंत्री श्री प्रफुल्ल पंसेरिया जी व कुलपति प्रो. आर. सी. पटेल द्वारा भारतीय अध्यापक शिक्षा संस्थान, गांधीनगर के सातवें दीक्षांत समारोह के दौरान एनसीटीई, नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान में एनआईपीईए, नई दिल्ली में राष्ट्रीय फेलो प्रो. संतोष पांडा की उपस्थिति में प्रदान किया गया। प्रो. वंदना पूनिया शुक्रवार को पुरस्कार के साथ गुजवि के कुलपति प्रो. नरसी राम से मिली। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय चाणक्य पुरस्कार से सम्मानित होने पर प्रो. वंदना पूनिया को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रो. वंदना पूनिया के इस सम्मान ने विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि यह मान्यता शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए उनके अथक प्रयासों व समर्पण का प्रमाण है। गुजवि में प्रोफेसर, डीन और चेयरपर्सन के रूप में प्रो. पूनिया ने भावी शिक्षकों को प्रशिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रो. पूनिया की उल्लेखनीय उपलब्धियों व योगदान ने उन्हें यह प्रतिष्ठित मान्यता दिलाई है। प्रो. पूनिया की शोध रुचियां एवं प्रकाशन शैक्षिक मनोविज्ञान, शिक्षक शिक्षा और शैक्षिक अनुसंधान सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करते हैं। शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने उन्हें यह प्रतिष्ठित पुरस्कार दिलाया है। इस अवसर पूर्व कुलपति प्रो. बी.के. पूनिया, तकनीकी सलाहकार प्रो. संदीप राणा, तकनीकी सलाहकार प्रो. विनोद छोकर, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. योगेश चाबा व ओएसडी संजय सिंह उपस्थित रहे।

अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में कैंसर हॉस्पिटल को मंजूरी दे सरकार : गर्ग

कहा, तीन साल से ज्यादा समय से अधर में है ये प्रमुख मांग

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

हिसार, 07 मार्च। वैश्य समाज के प्रतिनिधियों ने बैठक कर अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में कैंसर अस्पताल को मंजूरी दिए जाने की मांग उठाई है। समाज के प्रतिनिधियों ने इस मांग को तीन साल से अधिक समय होने के बावजूद सुने जाने पर गहरा रोष प्रकट किया है। अग्रोहा धाम अग्रोहा विकास ट्रस्ट के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में यह बैठक हुई।

इस मीटिंग में अग्रोहा धाम में होने वाला होली मिलन समारोह, पूणीर्मा पर छप्पन भोग व भण्डारा की तैयारियों व मेडिकल कॉलेज में कैंसर हॉस्पिटल व ट्रामा सेंटर बनने पर विचार किया गया। अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने मीटिंग में पूजा करने के उपरांत कहा कि अग्रोहा धाम में 13 मार्च को भव्य होली मिलन समारोह, छप्पन भोग व भण्डारा का कार्यक्रम होगा। जिसमें फूलों के संग होली खेली जाएगी।

गर्ग ने कहा कि हरियाणा सरकार जनता के स्वास्थ्य के लिए गम्भीर नही है जबकि अग्रोहा मेडिकल कालेज द्वारा सरकार से कैंसर हॉस्पिटल बनाने की मंजूरी मांगे तीन साल से ज्यादा हो गए है मगर सरकार ने अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में कैंसर हॉस्पिटल बनाने की मंजूरी ना देने से जनता में नाराजगी है जबकि 6 मार्च 2022 को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में कैंसर हॉस्पिटल बनाने के लिए अधारशिला रखी जा चुकी है। तीन साल बीत जाने के बावजूद भी अभी तक कैंसर हॉस्पिटल की मंजूरी ना देने से यह साफ सिद्ध हो जाता है कि सरकार सिर्फ सरकारी हॉस्पिटल में अच्छी सुविधा देने का झूठा ढोल पीट रही है। बजरंग गर्ग ने कहा कि अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में ना ही कैंसर हॉस्पिटल व ना ही ट्रामा सेंटर है जबकि आज की जरूरत के हिसाब से अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में कैंसर हॉस्पिटल व ट्रामा सेंटर बहुत जरूरी है। आज देश व प्रदेश में कैंसर की बिमारी काफी फैली हुई है। गरीब आदमी प्राईवेट हॉस्पिटल में अपना ईलाज नही करवा सकता जबकि अग्रोहा में कैंसर हॉस्पिटल का लाभ हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के साथ आदि राज्यों के मरीजों को मिलेगा सरकार को तुरंत प्रभाव से अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में कैंसर हॉस्पिटल व ट्रामा सेंटर बनाने की मंजूरी देनी चाहिए ताकि जनता को उसका लाभ मिल सकें। इस अवसर पर एनके गोयल, अनिल सिंगला, सत्यपाल अग्रवाल, चूडि?ां राम गोयल, ऋषि राज गर्ग, अनंत अग्रवाल, निरंजन गोयल, सज्जन गुप्ता, पवन गर्ग, त्रिलोक कंसल, सुरेंद्र बागड़ी, आनंद गोयल, रवि सिंगला, ईश्वर गोयल, ब्रह्मानंद अग्रवाल आदि प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखें।

महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कार्यक्रम के मद्देनजर रेड जोन घोषित, ड्रोन उड़ाने पर रहेगी पूर्णतया पाबंदी, धारा 163 लागू

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

हिसार, 07 मार्च। जिलाधीश अनीश यादव ने महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के 10 मार्च को हिसार में प्रस्तावित कार्यक्रम के मद्देनजर क्षेत्र को रेड जोन घोषित किया है। उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से यह फैसला लिया है। इस संबंध में उनकी तरफ से आदेश जारी किया गया है। जिलाधीश अनीश यादव द्वारा यह निर्देश भारतीय नागरिक संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत शक्तियों का उपयोग करते हुए दिया गया है। उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति के कार्यक्रम स्थलों तथा उसके आसपास क्षेत्र को रेड जोन घोषित किया है। इसके साथ ही ड्रोन नियमावली-2021 के तहत रेड जोन में ग्लाइडर/ड्रोन/मानवरहित हवाई उपकरण आदि उड़ाने पर प्रतिबंध रहेगा। जिलाधीश ने जारी आदेशों में स्पष्ट किया है कि सुरक्षा के मद्देनजर ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी रहेगी। महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कार्यक्रम स्थलों तथा उसके आसपास क्षेत्र के 1000 मीटर के दायरे में किसी भी मानव रहित वाहन (यूएवी) की उड़ान प्रतिबंधित की गई है। आदेशों की उल्लंघना करने वाले व्यक्ति के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

अनुशासन का पालन करने वाले विद्यार्थियों को अवश्य मिलती है सफलता : निदेशक

एनडीए के छात्रों हेतु गुरुकुल में हुआ विशेष गाइडेंस सैशन

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 07 मार्च। गुरुकुल के एन.डी.ए ब्लॉक में छात्रों के लिए विशेष गाइडेंस सैशन हुआ, जिसमें ब्रिगेडियर विकास कुमार, ग्रुप कमांडर एन.सी.सी. अम्बाला और कर्नल हरप्रीत सिंह, कमांडिंग ऑफिसर 10 हरियाणा बटालियन, कुरुक्षेत्र विशेष रूप से पधारे। गुरुकुल पहुंचने पर दोनों अतिथियों का निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार के साथ एन.सी.सी. इंचार्ज कैप्टन श्रवण कुमार ने स्वागत किया। विशेष सत्र में एन.डी.ए. के छात्रों को सम्बोधित करते हुए ब्रिगेडियर विकास कुमार ने कहा कि जीवन में अनुशासन का विशेष महत्त्व है, जो विद्यार्थी अनुशासन का पालन करते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हैं उन्हें सफलता अवश्य मिलती है। इस दौरान उन्होंने छात्रों को एनडीए में एसएसबी में सफलता हेतु महत्त्वपूर्ण टिप्स दिये। एनडीए में लिखित परीक्षा के बाद एसएसबी इन्टरव्यू में कैसे सफल हों, इसकी तैयारी कैसे करें, इस पर विस्तार से चर्चा हुई। इसी प्रकार कर्नल हरप्रीत सिंह ने भी एन.सी.सी. के महत्त्व पर प्रकाश डाला। निदेशक डॉ. प्रवीण कुमार ने दोनों अतिथियों का गुरुकुल में पहुंचने और छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया।

नकल रहित परीक्षाएं करवाना पुलिस और प्रशासन की जिम्मेदारी : एसडीएम डॉ. नैन

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

तोशाम, 07 मार्च। एसडीएम डॉ. अशवीर सिंह नैन ने कहा कि नकल रहित परीक्षाएं करवाना पुलिस और प्रशासन की जिम्मेदारी है। डॉ नैन ने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं की पवित्रता बनाए रखने के लिए प्रशासन सजग है।

यदि कोई व्यक्ति परीक्षा केन्द्रों में नकल करवाते हुए पाया जाता है, तो उसको पुलिस के हवाले करें। एसडीएम ने कहा कि यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि हम इन परीक्षाओं को सरकार की गाइडलाइन के अनुसार सही ढंग से होने दें, ताकि बच्चों का अच्छा उज्वल भविष्य हो।

एसडीएम डॉक्टर अशवीर सिंह नैन ने उपमंडल में चल रही हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं को शांतिपूर्ण एवं नकल रहित संपूर्ण करवाने को लेकर यह बात कही। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षाओ की पवित्रता बनाए रखने और नकल रहित परीक्षाओं के संचालन के लिए प्रशासन गंभीरता से कार्य कर रहा है। परीक्षा केंद्रों की जांच के लिए विभिन्न फ्लाइंग स्क्वायड का गठन किया गया है। साथ हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की फ्लाइंग स्क्वायड भी निरंतर केंद्रों का निरीक्षण कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बोर्ड की परीक्षाओं में नकल करवाने व पेपर आउट होने जैसी घटनाओं में संलिप्त पाए जाने वालों को किसी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस और प्रशासन नकल रोकने एवं पेपर लीक के मामलों को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति से काम कर रहा है।

शहर के कबाड़ व्यापारी नगर निगम के अंतर्गत ट्रिपल आर के तौर पर करेंगे कार्य

हरियाणा वाटिका/प्रवीण वालिया

करनाल, 07 मार्च। नगर निगम करनाल ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की थीम ट्रिपल आर (रिड्यूज, रियूज व रिसाईकल) को शहर में लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया है। इसके तहत नगर निगम ने शहर के कबाड़ व्यापारियों के साथ एक बैठक कर ट्रिपल आर के प्रति जागरूक किया। बैठक की अध्यक्षता नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने की, जिसमें करीब 55 व्यपारियों ने भाग लिया। बैठक में अतिरिक्त निगम आयुक्त अशोक कुमार, नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर कर्नल बिन्द्रा तथा सफाई शाखा के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। निगमायुक्त ने कबाड़ व्यापारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार गहणों की पहचान जोहरी को होती है, उसी प्रकार आप भी अपने कार्य के माहिर व्यक्ति हैं। इसलिए उन्होंने बैठक में मौजूद व्यापारियों को कबाड़ी की जगह ज्वैलर्स कहकर उन्हें सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि आप लोग नगर निगम के अंतर्गत ट्रिपल आर के तौर पर कार्य करें। इसके लिए आपकी दुकानों पर आर.आर.आर. के बोर्ड भी प्रदर्षित किए जाएंगे। उन्होंने शहर को स्वच्छ बनाए रखने का भी आग्रह करते कहा कि आप इस कार्य में नगर निगम का सहयोग करें। नगर निगम आपकी मदद के लिए हमेशा खड़ा रहेगा। उन्होंने व्यापारियों से अतिक्रमण न करने की भी अपील की उन्होंने बैठक में एकता, अनुशासन और व्यवसाय के आधुनिकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। ज्वैलर्स को कहा कि ऐसा कचरा जो आगे नहीं बिकता, उसे एक अलग बोरे में एकत्र करते रहें और उसे नगर निगम को दे दें। नगर निगम उसका अपने स्तर पर निस्तारण करवाएगा। बैठक में दुकानों के मानकीकरण, अग्नि सुरक्षा, कचरा पृथक्करण और सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर विस्तृत रूप चर्चा की गई।

ब्रह्मसरोवर में एक बाल्टी के लिए एक रुपया और स्नान करने के लिए 5 रुएया जजिया कर लगाया था औरंगजेब ने : धुमन सिंह

हरियाणा वाटिका/एकजोत

कुरुक्षेत्र, 07 मार्च। हरियाणा सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता धुमन सिंह किरमच ने कहा कि औरंगजेब सबसे क्रूर शासक था। इस शासक ने हिन्दुओं पर अत्याचार करने में कोई कसर नहीं छोडी थी। इतना ही नहीं, कुरुक्षेत्र के ब्रह्मसरोवर में 1700 ई. में श्रद्धालुओं पर भारी भरकम जजिया कर लगाने का काम किया था। इस शासक ने पानी की एक बाल्टी पर एक रुपया और स्नान करने पर 5 रुपए का जजिया कर लगाया था। यह जजिया कर उत्तर भारत में सबसे ज्यादा कर था। धुमन सिंह किरमच शुक्रवार को सेक्टर-7 आवास पर समाजवादी पार्टी के सांसद अब्बू आजमी के ब्यान की निंदा कर रहे थे। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि देश में महाकुंभ के बाद एक अच्छा, सुंदर और सनातन का एक वातावरण बना था। जब-जब भी देश में अच्छा वातावरण बनता है तब-तब इंडिया जैसे गठबंधन और विपक्षी पार्टियां देश का माहौल खराब करने का प्रयास करते है। इस कड़ी में ही इंडिया गठबंधन से जुड़ी समाजवादी पार्टी के सांसद अब्बू आजमी ने औंरगजेब को एक अच्छा शासक कहा है। इस ब्यान की पूरे देश में आम व्यक्ति भी कडी निंदा कर रहा है। इस शासक ने हिन्दुओं पर अत्याचार करने में कोई कसर नहीं छोडी और इतिहासकारों की माने, तो रोजाना सवा मन जनेऊ उतारने का काम औरंगजेब के कार्यकाल में ही किया गया। इस शासक ने हिन्दुओं को मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए जो अत्याचार किए, वे किसी से छिपे नहीं है। उन्होंने कहा कि औरंगजेब ने लगभग 50 साल शासन किया और अपने शासन काल में जजिया कर को भी तबजो दी। इस जजिया कर से धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र भी अछूता ना रहा। इस धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में स्थित पवित्र ब्रह्मसरोवर, सन्निहित सरोवर और सरस्वती में हजारों लोग प्राचीन काल से स्नान करने और पिंडदान करवाने के लिए आते थे। इस तीर्थ स्थल की पुराणों, ग्रंथों में महत्ता का वर्णन किया गया है। इसी औरंगजेब के शासनकाल में कुरुक्षेत्र के राजा कुरु ने श्रद्धालुओं पर भारी भरकम जजिया कर लगाने का काम किया था। इस राजा ने वर्तमान में जहां बौद्ध स्तूप स्थित है, इसी जगह पर राजा कुरु ने जजिया कर ना देने वाले श्रद्धालुओं पर नजर रखने वाले हथियारों से लैस सैनिकों की टीम बैठाने का काम किया था। उन्होंने कहा कि राजा कुरु ने सन 1700 ई. में एक बाल्टी पानी पर एक रुपए और स्नान करने पर 5 रुपए का जजिया कर लगाया था। यह कर उत्तर भारत में लगने वाले जजिया कर में सबसे ज्यादा कर था।

शहीद बलबीर सिंह स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

हरियाणा वाटिका/ब्यूरो

इस्माईलाबाद, 07 मार्च। शहीद बलबीर सिंह राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अध्यापकों ने अपने अपने विचार साझा किए। प्राचार्य भीमसेन ने बताया कि महिलाओं के अधिकारों, समानता और उनके योगदान को सम्मान देने के लिए दुनियाभर के तमाम देश हर साल 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाते है। प्रसिद्ध जर्मन एक्टिविस्ट क्लारा जेटकिन के प्रयासों से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने की शुरूआत हुई थी। उपप्राचार्य डॉ.दिनेश यादव ने कहा कि इस दिन को मनाने का उद्देश्य समाज में महिलाओं की भूमिका को स्वीकार करना, समाज में महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार दिलाना, किसी भी क्षेत्र में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव को रोकना, महिलाओं के हौसले को बढ़ाना और उन्हें जीवन में आगे बढ? के लिए प्रेरित करना है। प्राध्यापिका रजनी कंसल ने कहा कि महिला दिवस महज एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण और समानता की दिशा में एक कदम है। समाज को तब तक विकसित नहीं कहा जा सकता, जब तक महिलाएं हर क्षेत्र में स्वतंत्र व सशक्त ना हो जाएं। अंग्रेजी प्राध्यापिका अनीता सैनी ने कहा कि ब्रिटिश लेखिका मेरी वोलस्टोनक्राफ्ट ने महिला अधिकारों की पुष्टि नामक पुस्तक में महिला अधिकारों की जोरदार वकालत की थी। हिन्दी प्राध्यापक डॉ.बलवान सिंह ने कविताओं के माध्यम से महिला की महत्ता का बखान किया। मीडिया प्रभारी एवं अंग्रेजी प्राध्यापक जितेन्द्र ने कहा कि भारतीय संविधान में कानून के समक्ष समानता, कानून का समान संरक्षण, अवसर की समानता का प्रावधान किया गया है ताकि महिलाओं को पुरुषों के साथ बराबरी का दर्जा हासिल हो सके। भारतीय संसद द्वारा नीति-निर्देशक सिद्धांतों को आधार मानकर महिलाओं के हित के कानून बनाए गए है। महिलाओं की सुरक्षा एवं भलाई के लिए माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा समय-समय पर गाइडलाइन जारी की जाती हैं। प्राचार्य भीमसेन, उप-प्राचार्य डॉ.दिनेश यादव, मीडिया प्रभारी एवं अंग्रेजी प्राध्यापक जितेन्द्र ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई दी और कहा कि हमें महिलाओं का सम्मान करना चाहिए। इस मौके पर सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

बाल बढ़ाना हुआ आसान

आपके बाल स्टाइलिश छोटे और खूबसूरत लेयर्स वाले बालों के बीच आते हैं तो आप उन्हें पूरी तरह बढ़ने तक सुंदर कैसे बनाएं, यह जानना बेहद जरूरी है। जब बालों का नया कट लिया जाता है तब वे काफी सुंदर नजर आते हैं। लेकिन धीरे-धीरे जब वे बढ़ना शुरू करते हैं तो उनकी स्टाइल बदल जाती है। साथ ही बढ़े बालों को देखकर दोबारा कटाने या छोटा करने का मन नहीं करता। स्त्रियां पार्लर इसलिए जाना नहीं चाहतीं कि कहीं बालों की ज्यादा छंटाई न हो जाए। हमने एक्सपर्ट से बात करके कुछ नायाब तरीके ढूंढ निकाले हैं, जिन्हें अपनाकर बालों को बढ़ाना और उन्हें मनचाहे आकार में ढालना बहुत आसान हो जाएगा।

उलझी हुई लेयर्स

बालों का कटिंग अगर लेयर में हो तो बढ़ी हुई लेयर्स खराब दिखाई देती हैं। अगर आपके बाल कुदरती रूप से घुंघराले हैं तो आप भाग्यशाली हैं, क्योंकि लेयर्स आपके घुंघराले बालों के बीच कहीं गुम हो जाएंगे। अगर आपके बाल सीधे हैं तो कुछ दिन ऐसे ही बालों के साथ गुजारने पड़ सकते हैं।

घर पर क्या करें

सौंदर्य विशेषज्ञा सामंथा कोचर के मुताबिक अगर आपके बाल ऊपर से चपटे नजर आते हैं तो आप रुट बूस्टर या सी सॉल्ट स्प्रे के इस्तेमाल से इन्हें घना दिखा सकती हैं। अपने बालों को ऐसा लुक दें कि वे बिखरे और फैले हुए लगें। इससे लगेगा कि आपने बालों को ऐसी स्टाइल दी है। साथ ही आपके बालों की खामी भी छुप जाएगी।

फ्रिंज कट हेयर

आपके बाल अकसर आंखों के ऊपर गिरते रहते हैं और इतनी जल्दी बढ़ जाते हैं कि शायद आपको अपनी आधी उम्र हेयर ड्रेसर के पास ही बितानी पड़ जाए।

घर पर क्या करें

बालों को सीधा रखने के लिए स्ट्रेटनिंग आयरन घर पर रखें। आयरनिंग से बाल थोड़े लंबे हो जाते हैं। इस तरह वे बाल कानों तक आ जाते हैं, उन्हें पीछे की ओर क्लिप किया जा सकता है। कभी भी अपनी लटों को खुद ही ब्लो-ड्राइ न करें। इसे सिर्फ प्रोफेशनल से ही करवाएं। अपने पास हेयर ट्रिमिंग कैंची जरूर रखें। विशेषकर अगर आपको आगे रखे जाने वाले बाल यानी बैग्ज पसंद हैं। इन्हें काटना भी सीखें। केवल तभी काटें जब आपके बाल सूखे हों।

सलॉन में क्या करें

आपका फ्रिंजेस का शौक पूरा हो जाए तो अपने स्टाइलिस्ट से कहें कि वे इन्हें साइड-स्वेप्ट बैग्ज का रूप दे दें। बढ़े हुए बैग्ज के लिए कहें कि वे इसे टेक्सचर दे कर ऐसा बनाएं, ताकि ये आपके बाकी बालों के साथ एकरूप नजर आएं। अगर आपके बाल छोटे और घुंघराले हैं तो इन पर जेल लगाकर इन्हें पीछे की ओर संवारें। यह लुक आप पर बहुत जंचेगा। इन पर तरह-तरह के हेयर एक्सेसरीज जैसे, रंग-बिरंगी पिंस और हेयरबैंड्स लगाकर अधिक आकर्षक बना सकती हैं और ये इन दिनों ट्रेंड में भी हैं।

ब्लंट कट

ऐसे बाल जब हलके बढ़ने शुरू होते हैं तो असमान और चपटे नजर आते हैं। ऐसे में आप क्या करें जानें-

घर पर क्या करें

हलके मूस या लीव-इन कंडिशनर का इस्तेमाल करें और बालों को बांध लें। अनइवेन बालों वाला लुक आपके लिए मुफीद होगा।

सलॉन में क्या करें

बालों की लंबाई जितनी है, रहने दें। हेयरस्टाइलिस्ट से बालों को टेक्सचर करवाएं। ऊपरी हिस्से में लेयर्स डालने को कहें। क्लिप्स और हेयरबैंड जैसी एक्सेसरीज का इस्तेमाल करें। बालों को सीधा करने के बाद एक साइड की मांग निकालें। यहां के थोड़े से बालों को लेकर उसी ओर क्लिप करें, बचे हुए बालों को पीछे की ओर लाएं और स्टाइलिश शिग्नॉन बना लें।

शाइनिंग सनग्लासेज

सनग्लासेज सिर्फ फैशनेबल एक्सेसरी नहीं है। आंखों की सुरक्षा के लिहाज से इनका इस्तेमाल है बेहद जरूरी। नंगी आंखों से सूरज की ओर देखते हैं तो पराबैंगनी किरणों के विकिरण से उत्पन्न अतिरिक्त ऊर्जा के कारण तकलीफ होती है। इससे राहत का सबब हैं पोलराइज्ड एंटी ग्लेयर सनग्लासेज। ये सुरक्षा परत की तरह काम करते हैं। इनके लेंस में मौजूद छोटी-छोटी हॉरीजेंटल स्ट्राइप्स उस चमक को बीच में रोक देती हैं, जो सतह से टकराकर परावर्तित होती हैं। वहीं फोटोक्रोमिक लेंस में सिल्वर क्लोराइड या सिल्वर हैलाइड यौगिक होता है। जब पराबैगनी किरणें उससे टकराती हैं तो एक विशेष प्रतिक्रिया उत्पन्न होती है। यही वजह है कि धूप में आने पर फोटोक्रोमिक लेंस का रंग गहरा हो जाता है। लेंस के बाद अब बारी आती है फैशन की। आजकल ड्रेस की मैचिंग के सनग्लासेज हैं युवाओं की पसंद। उनका चयन चेहरे के आकार के अनुसार करना चाहिए। पतले और स्ट्रेट चेहरे पर छोटे सनग्लासेज फबते हैं, जबकि बड़े चेहरे पर चौड़े सनग्लासेज भाते हैं। वहींगोरे रंग के लोगों पर गहरे शेड्स के सनग्लासेज जंचते हैं, जबकि गहरी रंगत पर गहरे शेड्स को छोड़कर किसी भी कलर के सनग्लासेज खूबसूरत लगते हैं।

सदाबहार है आभूषण

माना जाता है आभूषण और औरत का रिश्ता आर्यो के समय से चला आ रहा है। आभूषण पहनना श्रृंगार रस का ही एक हिस्सा है। दुलहन को चूंकि लक्ष्मी का रूप माना जाता है इसलिए उसके लिए उस दिन आभूषणों को धारण करना अनिवार्य माना जाता है।

आजकल हलकी, महीन कारीगरी और देखने में उत्कृष्ट आभूषण चलन में है। फिर चाहे वे प्लैटिनम के हों या एंटीक लुक वाले, बस उनकी फिनिशिंग अच्छी होनी चाहिए। इसी के साथ डिजाइनयुक्त आभूषण चलन में है। अधिकतर दुलहन बिलकुल अलग हटकर डिजाइन मांगती है जिनकी फिनिशिंग में कोई कमी न हो। सोने के गहनों की हमेशा मांग रहती है पर आजकल सोने से ज्यादा हीरे की ज्यादा मांग है। हालांकि खास मौकों पर पहनने के लिए हलकी मीनाकारी वाले भारी सेट या कुंदन के सेट चलन में है। पश्चिमी परिधानों के साथ मोती के नेकलेस अच्छे लगते है। हीरे के आभूषण विभिन्न फिनिशिंग जैसे फ्रॉस्टिंग, साटन, मैट आदि के साथ बन रहे है। तड़क-भड़कदार गहनों की अपेक्षा डल, एंटीक लुक ने ले ली है।

सोने के गहने पारंपरिक परिधानों के साथ अच्छे लगते है पर डायमंड ट्रेडिंग कंपनी की डायरेक्टर देविका गिडवानी कहती है, हीरे में पारंपरिक भारतीय फूलों के डिजाइन आजकल लोकप्रिय हो रहे है क्योंकि इन्हे भारतीय या पश्चिमी किसी भी तरह के परिधानों के साथ पहना जा सकता है। शादी के लिए लड़कियां व्हाइट और येलो गोल्ड के सम्मिश्रिण से बने सेट खरीदना पसंद कर रही है।

व्हाइट चाहे वह व्हाइट गोल्ड हो या प्लैटिनम इनका चलन कभी खत्म नहीं होता है। वैसे ही हीरे की मांग सदा बनी रहती है। पारंपरिक गोल, अंडाकार, पान के आकार, चौकोर और एमरल्ड कट हमेशा की तरह फैशन में हैं।

लक्ष्मी डायमंड के चैयरमेन वसंत भाई गजेरा ने सिग्नस नाम से एक रेज पेश की है जो स्टाइल, और डिजाइन के हिसाब से एकदम अनूठी है। वह कहते है, आभूषण एक आर्ट वर्क की तरह होते है जिनमें अच्छी फिनिशिंग के साथ डिजाइन का भी बहुत महत्व होता है। चूंकि आज कामकाजी स्त्रियों की संख्या बढ़ गई है इसलिए विवाह के बाद भी वे ज्यादा आभूषण नहीं पहनना चाहती है। हीरे के आभूषणों की मांग सदैव रहती है और खासकर फैंसी कट के आभूषण चाहे वे अंगूठी हों, पेंडेट, नेकलेस, चूड़ियां या कंगन हों, ज्यादा बिक रहे हैं। इन हीरों के आभूषणों में वे चाहती है कि विभिन्न रंगों के नग लगे हों ताकि वे अपने परिधानों के साथ उन्हे मैच कर पहन सकें।

तनिष्क की मार्केटिंग और डिजाइनर अध्यक्ष वाई एल सरोजा के अनुसार,दुलहन के लिए तैयार जोया नामक कलेक्शन में हीरों के साथ रूबी, नीलम, पन्ने जैसे बेशकीमती नगों का सुंदर प्रयोग किया गया है। आज की स्त्री विशिष्टता और नफासत की मांग करती है।

तनिष्क की डिजाइनर पल्लवी डुडेजा कहती है,आज की दुलहन अगर एक तरफ हलके डिजाइन पसंद करती है तो दूसरी तरफ वह उसमें पारंपरिकता का मिश्रण भी चाहती है। सोने और हीरे का मिश्रण चलन में है। वे ऐसे आभूषण चाहती है जो भारतीय और पश्चिमी दोनों तरह के परिधानों के साथ पहने जा सकें। आम के मोटिफ या पैसले डिजाइन के आभूषण इसलिए ज्यादा फैशन में है क्योंकि भारी या हलके दोनों तरह के डिजाइन इसमें मिल जाते है।

तनिष्क की डिजाइनर एलिजाबेथ माथन का मानना है कि विवाह के दिन पहने जाने वाले आभूषण ऐसे होने चाहिए जिन्हे पहनने के बाद दुलहन असुविधा न महसूस करे। हीरे के साथ रंगीन पत्थरों की मांग बेहद बढ़ गई है। इनमें पारदर्शी इनैमल का भी प्रयोग किया जा रहा है।

डिजाइनर अंजलि लाल मानती है कि सोना भारतीय वर्ण पर ज्यादा जंचता है। पर विवाह में पहनने के लिए मीनाकारी किए आभूषणों का चलन हो गया है। नारंगी, बैगनी, मैरून, हरा और ब्रौंज लुक की मीनाकारी एथनिक लगती है। प्लैटिनम गिल्ड इंडिया की मैनेजर वैशाली बैनर्जी महसूस करती है कि बतौर ब्राइडल ज्वेलरी प्लैटिनम के आभूषणों की जगह कोई नहीं ले पाया है। इसके बने आभूषणों को संजोकर रखा जाता है और पीढ़ी दर पीढ़ी ये चलते है। इसलिए न तो कभी ये किसी ट्रेंड में आते है न ही कभी इनका फैशन खत्म होता है। विवाह के लिए ज्यादातर लड़कियां अंगूठी, कानों के टॉप्स, हीरे जड़ित पेंडेट और प्लैटिनम की चेन खरीदती है। चूड़ी, वैडिंग बैंड और ब्रेसलेट की भी मांग है।

हजूरीलाल ज्वेलर्स के रमेश नारंग के अनुसार, विवाह के मौके पर पहनने के लिए भारी जेवरातों की ही मांग है। व्हाइट गोल्ड में जड़े हीरे और सेमी प्रेशियस स्टोंस के आभूषणों का चलन बढ़ गया है। कुंदन की पुरानी चीजें जैसे बाजूबंद, टीका, माथापट्टी, चोकर आदि फिर से फैशन में है। निजाम के समय के बड़े-बड़े लालड़ी और पन्ने की मणियों के सेट चलन में हैं।

ज्वेलरी डिजाइनर अनुराधा छाबड़ा कहती है कि कुंदन में डायमंड पोल्की के सेट फैशन में है। मोतियों की विभिन्न वर्णी लड़ियों में कुंदन के पेंडेट पहने जा रहे है।

सिया आर्ट ज्वेलर्स के कमल कामरा के अनुसार, कुंदन के गहनों ने सबसे ज्यादा जगह ले ली है। हमने पूरे ब्राइडल सेट बनाए है जिसमें चोकर, हाथपंजा, मांग टीका, पायल सभी कुछ है। इसमें 49 रंग है पर ज्यादातर मैरून और हरा रंग चलता है। सामान्यतया कुंदन के जेवर सोने में बनते है पर हमने चूंकि इन्हे चांदी और सेमी प्रेशियस स्टोन में जड़ा है इसलिए न सिर्फ इन्हे किसी भी मौके पर पहना जा सकता है बल्कि इनकी कीमत भी कम है।

सम्पादक, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक नेहा वालिया द्वारा साई प्रिंटिंग प्रैस, बी-868, न्यू अशोक नगर, दिल्ली-110096 से मुद्रित एवं वालिया सदन वार्ड संख्या 10, लोहारू, भिवानी (हरियाणा) 127201 से प्रकाशित। समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों के लिए पीआरबी एट के तहत उत्तरदायी। फोनः01252-259260, 9255149495, ईमेलः haryanavatika@gmail.com हरियाणा वाटिकाः- प्रेरणास्त्रोत- स्व. डॉ. एल सी वालिया, समूह संपादक एवं संरक्षक- श्रीमति सरला वालिया, संपादक- श्रीमति नेहा वालिया, कार्यकारी संपादक- श्रीमति रितू वालिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।